दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करे-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 218 मुरादाबाद, 28 November 2023 (Tuesday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

अंतिम दौर में पुरानी पेंशन की लड़ाई, सरकार को हड़ताल का नोटिस देने की तैयारी, रेलवे और डिफेंस का मिला साथ

स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद %जेसीएम% के सचिव शिवगोपाल मिश्रा ने कहा, अब स्ट्राइक बैलेट का नतीजा आ गया है। रेलवे के 11 लाख कर्मियों में से 96 फीसदी कर्मचारी ओपीएस लागू न करने की स्थिति में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा रक्षा विभाग (सिविल) के चार लाख कर्मियों में से 97 फीसदी कर्मी, हड़ताल के पक्ष में हैं %पुरानी पेंशन बहाली% की लड़ाई अब अंतिम दौर की तरफ बढ़ रही है। अगर सरकार, कर्मचारियों की इस मांग को नहीं मानती है, तो उस स्थिति में अनिश्चितकालीन हड़ताल हो सकती है। कितने कर्मचारी, अनिश्चितकालीन हड़ताल के पक्ष में हैं, यह पता लगाने के लिए केंद्र सरकार में दो बड़े विभाग, रेलवे और रक्षा विभाग (सिविल) में स्ट्राइक बैलेट यानी मतदान कराया गया था। ओपीएस के लिए गठित नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) की संचालन समिति के राष्ट्रीय संयोजक एवं स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद %जेसीएम% के सचिव शिवगोपाल मिश्रा ने कहा, अब स्ट्राइक बैलेट का नतीजा आ गया है। रेलवे के 11 लाख कर्मियों में से 96 फीसदी कर्मचारी ओपीएस लागू न करने की स्थिति में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा रक्षा विभाग (सिविल) के चार लाख कर्मियों में से 97 फीसदी कर्मी, हड़ताल के पक्ष में हैं। यह मतदान पूरी तरह निष्पक्ष तरीके से हुआ है। कर्मियों ने बिना किसी दबाव के अपना मत डाला है। अब ज्वाइंट फोरम की बैठक में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए निर्धारित तिथि की घोषणा की जाएगी। दो दिन तक जारी रहा स्ट्राइक बैलेट- बतौर शिव गोपाल मिश्रा, उम्मीद है कि सरकार इस स्ट्राइक बैलेट को गंभीरता से लेगी। केंद्र एवं राज्य सरकारों के कर्मचारी, लंबे समय से ओपीएस की मांग कर रहे हैं। नहीं करती है, तो भारत बंद जैसे कई कठोर कदम उठाए जाएंगे।

तेलंगाना को नहीं चाहिए अंधविश्वास के गुलाम सीएम, रैली में केसीआर पर बरसे पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा एक बार केसीआर ने मुझसे ये विनती की थी लेकिन भाजपा तेलंगाना के लोगों की इच्छा के खिलाफ कोई काम नहीं कर सकती। तेलंगाना का अगली सीएम भाजपा से होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के महमूदाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की केसीआर सरकार पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि तेलंगाना के लोग केसीआर सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस चुके हैं। तेलंगाना को बर्बाद करने में कांग्रेस और केसीआर बराबर के पापी हैं। तेलंगाना के लोग एक बीमारी को हटाकर दूसरी बीमारी को प्रवेश नहीं देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि केसीआर को भाजपा की बढ़ती हुई ताकत का एहसास बहुत पहले हो गया था। इस वजह से केसीआर इस कोशिश में थे कि किसी तरह भाजपा से दोस्ती कर लें। एक बार केसीआर ने मुझसे ये विनती की थी लेकिन भाजपा तेलंगाना के लोगों की इच्छा के खिलाफ कोई काम नहीं कर सकती। तेलंगाना का अगली सीएम भाजपा से होगा। पीएम मोदी ने ये भी कहा कि भाजपा पहले ही कह चुकी है कि तेलंगाना का भाजपा सीएम ओबीसी वर्ग से होगा। प्रधानमंत्री ने सीएम केसीआर पर हमला बोलते हुए कहा कि सीएम अंधविश्वास के गुलाम और गरीबों को गुनाहगार हैं। तेलंगाना को फार्महाउस सीएम नहीं चाहिए।

बीआरएस के साथ ही कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बीआरएस की कार के चार पहिए और एक स्टीयरिंग और कांग्रेस का पंजा एक ही हैं। दोनों पार्टियों ने भ्रष्टाचार और परिवारवाद को बढ़ावा दिया। दोनों पार्टियां तुष्टिकरण की राजनीति को नई ऊंचाई पर ले जा चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस ने हमेशा से दलितों और आदिवासियों को धोखा दिया है। भाजपा सरकार में ही सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर सभी परिवारों को महंगे पेट्रोल-डीजल से राहत मिलेगी।

554वां प्रकाश पर्व: मुख्यमंत्री योगी बोले- सिख आज पूरी दुनिया में छाए हैं, मुगलों का कहीं अता-पता नही

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554वें प्रकाश पर्व कार्यक्रम में शामिल हुए और सभी को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि गुरु नानक जी द्वारा रखी गई नींव को और मजबूत करना हर भारतीय का दायित्व है। सिख गुरुओं का बलिदान केवल खालसा पंथ के लिए न होकर हिन्दुस्तान और धर्म को बचाने के लिए था। उस दौर में जब बड़े-बड़े राजा महाराजा मुगल सत्ता की अधीनता स्वीकार कर रहे थे, तब सिख गुरु अपने दम पर देश और धर्म की रक्षा कर रहे थे। जिस देश और परंपरा में इस प्रकार का जुझारूपन हो उसे दुनिया की कोई ताकत झुका नहीं सकती। खालसा पंथ की स्थापना मुगल सल्तनत के पतन का कारण बनी। आज सिख पूरी दुनिया में छाये हुए हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अता-पता नहीं है। ये सत्य और धर्म का रास्ता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आशियाना स्थित गुरुद्वारे में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554वें प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कही। बाबर के अत्याचारों के खिलाफ गुरु नानक देव जी ने बुलंद की थी आवाज- मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को गुरुपर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकाश पर्व हम सबके जीवन में गुरु कृपा से ज्ञान का प्रकाश देता है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग, बलिदान, भक्ति, शक्ति, साधना देश और धर्म के लिए अनुकरणीय है। भारत ही नहीं पूरी दुनिया में गुरु नानक जी का प्रकाश फैला है। उन्होंने लोक कल्याण और साधु सेवा में अपना जीवन समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पक्ष भक्ति के माध्यम से साधना का है तो वहीं दूसरा पक्ष भक्ति के माध्यम से लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। भक्ति के माध्यम से गुरु नानक देव जी ने उस कालखंड में बाबर के अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी। जात-पात और अन्य संकीर्ण विचारों से मुक्त रहकर कार्य करने की प्रेरणा हमें गुरु नानक देव जी से मिलती है। सिख धर्म साधना के गूढ़ रहस्यों से भरा पड़ा है मुख्यमंत्री ने मक्का की घटना का भी जिक्र किया, जब गुरु नानक देव ने एक मौलवी को %एक ओमकार की सीख दी। सीएम योगी ने कहा कि सिख धर्म साधना के गूढ़ रहस्यों से भरा पड़ा है। इस परंपरा ने आगे चलकर गुरु तेग बहादुर, गुरु गोविंद सिंह, उनके चार साहबजादों और हजारों सिखों द्वारा देश और धर्म के लिए बलिदान का भी जिक्र किया। कहा कि उनका बलिदान देश को एक नई शक्ति और प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खालसा केवल एक पंथ नहीं है, ये देश और धर्म की रक्षा के लिए गुरु कृपा से निकला हुआ प्रकाश पुंज है। इसने विपरीत परिस्थितियों में विदेशी ताकत को झुकने के लिए मजबूर किया।

लखनऊ से निकली आवाज राष्ट्रव्यापी आवाज बन गई

सीएम योगी ने कहा 2020 में साहबजादा दिवस के कार्यक्रम को मुख्यमंत्री आवास में करने का उन्हें सौभाग्य मिला। फिर 2022 में ये राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम बना। सच्चे संकल्प के साथ जब हम आगे बढ़ते हैं तो वो जरूर पूरे होते हैं। लखनऊ से निकली आवाज राष्ट्रव्यापी आवाज बन गई। दशकों से साहबजादा दिवस की मांग उठ रही थी, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 दिसंबर 2022 को साहबजादा बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेकर पूरा किया। हम सब मिलकर अपने इतिहास से प्रेरणा लें। साथ ही उन क्रूर और काले क्षणों को भी याद करें, जब अत्याचार और बर्बरता की सारी पराकाष्ठा को पार करते हुए निर्ममता ढाई गई।

आज हम स्वतंत्र भारत में पूरी मजबूती के साथ रहकर कार्य कर रहे हैं, ये हमारे सिख गुरुओं के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि है, जो हमे चुनौतियों से जूझने की प्रेरणा देता है। गुरु नानक जी द्वारा रखी गई इस नींव को और मजबूत करना हर सिख और हर भारतीय का दायित्व है। इसी में राष्ट्र की समृद्धि होगी। इस अवसर पर मंत्री बलदेव सिंह ओलख, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, अध्यक्ष गुरुद्वारा साहेब प्रबंध कमेटी सरदार जसबीर सिंह चड्ढा, जसजीत सिंह बेदी, जसपाल सिंह दुग्गल, जगजीत सिंह, यूपी अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य परविंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग शामिल रहे।

बदायूं के मेला ककोड़ा में सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान कर पुण्य कमाया। बरेली के चौबारी मेले में भी भारी भीड़ रही। यहां हजारों लोगों ने रामगंगा में स्नान किया। कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा और रामगंगा के घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रुहेलखंड के मिनी कुंभ मेला ककोड़ा में सोमवार तड़के चार बजे से स्नान गंगा स्नान शुरू हो गया। लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान कर पुण्य कमाया। बदायूं के कादरचौक में गंगा तट पर लगे मेला ककोड़ा में आधी रात से ही पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। सुबह तक हर तरफ भीड़ ही भीड़ दिख रही थी। इधर, बरेली में रामगंगा के चौबारी घाट पर श्रद्धालुओं का रेला दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने ब्रह्म मूर्हत में स्नान कर दान-पुण्य किया। इसके बाद मेले का लुत्फ उठाया। ककोड़ा मेला में भोर से ही हर हर गंगे के जयघोष के साथ स्नान शुरू हो गया। लोगों ने गंगा स्नान कर सूर्य को अर्घ्य दिया। अपने और परिवार की कुशलता के लिए प्रार्थना की। गंगा में स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने दान पुण्य किया। इसके बाद मेले का आनंद उठाया। तीन जगह स्नान घाट बनने से काफी राहत रही। ककोड़ा मेला में मुख्य स्नान के दौरान गंगा नदी में नाव से पुलिस निगरानी करती रही। घाट पर जहां पानी ज्यादा था वहां जाने से लोगों को पुलिस रोकती रही। ककोड़ा मेले में करीब एक लाख कल्पवासी पहुंचे हैं। इसके अलावा विभिन्न शहरों से लाखों श्रद्धालुओं ने यहां पहुंचकर गंगा में स्नान किया। स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) के मुताबिक सोमवार को मुख्य स्नान पर्व पर चार लाख श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान है। बदायूं के उझानी स्थित कछला घाट पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। मिनी कुंभ ककोड़ा मेले में जिला पंचायत और पुलिस की ओर से मनचलों से निपटने के लिए मजनू पिंजरा बनाया गया है। मनचलों ने अगर कोई हरकत की तो पुलिस उन्हें पिंजरे में बंद करेगी। मेले में पुलिस की ओर से अस्थायी हवालात कोतवाली के पास ही बनाई गई है।

मेले में खुराफात करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर है। बरेली में कार्तिक पूर्णिमा पर रामगंगा के घाटों पर श्रद्धालु का सैलाब उमड़ पड़ा। चौबारी मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। तड़के चार बजे से ही स्नान का सिलसिला शुरू हो गया। हर-हर गंगे से घाट गूंज उठे। स्नान, पूजन और दान के बाद मेले में खरीदारों की भीड़ उमड़ने लगी। बच्चे, युवक और युवतियां झूले का आनंद लेते दिखाई दिए। श्रद्धालुओं को कोई परेशान न हो, इसके लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

राज्य में घूमना मुश्किल कर देंगे, आरक्षण के लिए बनी शिंदे समिति के विरोध पर छगन भुजबल को धमकी

छगन भुजबल महाराष्ट्र के एक प्रमुख ओबीसी नेता हैं और उन पर मराठा आंदोलन का विरोध करने का आरोप लग रहा है। साथ ही उन्होंने मराठा आंदोलन की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे मनोज जारांगे पर भी निशाना साधा। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री छगन भुजबल को धमकी मिली है। दरअसल छगन भुजबल ने कहा है कि मराठाओं को आरक्षण देने के लिए गठित की गई शिंदे समिति को रद्द कर देना चाहिए। इसे लेकर भुजबल पर मराठा आरक्षण का विरोध करने का आरोप लग रहा है। अब भुजबल को धमकी मिली है। दरअसल एक मराठा संगठन का सदस्य सोमवार को भुजबल की गाड़ी तक पहुंच गया और उसने भुजबल से मराठा आरक्षण का विरोध ना करने को कहा। साथ ही उसने धमकी दी कि %अगर भुजबल ने विरोध बंद नहीं किया तो उनका महाराष्ट्र में घूमना मुश्किल कर देंगे। भुजबल को मिली धमकी-दरअसल छगन भुजबल पुणे के सरकारी गेस्ट हाउस में ठहरे हुए थे। इसी दौरान सोमवार को स्वराज्य संगठन का सदस्य धनंजय जाधव गेस्ट हाउस में भुजबल की गाड़ी तक पहुंच गया और उसने नारेबाजी की। उसने भुजबल से मराठा आरक्षण का विरोध ना करने को कहा और ये भी कहा कि वह भुजबल की गाड़ी तो क्षतिग्रस्त कर सकता है लेकिन ऐसा नहीं करेगा। इसके बाद पुलिस ने धनंजय जाधव को हिरासत में लिया। इस दौरान भुजबल के समर्थकों ने भी नारेबाजी की। पुलिस ने बताया कि घटना के वक्त गाड़ी में कोई नहीं था और वह गेस्ट हाउस में पार्क थी। फर्जी सर्टिफिकेट बनाकर आरक्षण लेने की कोशिश का आरोप-बता दें कि छगन भुजबल महाराष्ट्र के एक प्रमुख ओबीसी नेता हैं और उन पर मराठा आंदोलन का विरोध करने का आरोप लग रहा है। साथ ही उन्होंने मराठा आंदोलन की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे मनोज जारांगे पर भी निशाना साधा। महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल ने सोमवार को कहा है कि मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए गठित की गई शिंदे समिति को रद्द करने की मांग की है। हालांकि शिंदे ने कहा कि वह मराठाओं को अलग आरक्षण देने के खिलाफ नहीं हैं लेकिन जिस तरह से खुंबी सर्टिफिकेट लेने के लिए फर्जी दस्तावेज जमा किए जा रहे हैं, वह इसके खिलाफ हैं। भुजबल बोले-ओबीसी के आरक्षण में नहीं होनी चाहिए कटौती- 'फिकेट जारी करने की प्रक्रिया तय करेगी, जिन्हें निजाम के शासनकाल में खुंबी माना जाता था। खुंबी समुदाय कृषक वर्ग है, जो महाराष्ट्र में ओबीसी वर्ग के तहत आता है। मनोज जारांगे के नेतृत्व में मराठा समुदाय की मांग है कि मराठाओं को खुंबी सर्टिफिकेट जारी किए जाएं ताकि उन्हें ओबीसी वर्ग के तहत मिलने वाले आरक्षण का लाभ मिल सके। भुजबल का कहना है कि ओबीसी वर्ग को मिल रहे आरक्षण में कटौती करके मराठाओं को आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए।

संपादकीय Editorial

Governor is not a 'veto'

Yesterday was 26th November. On this date in 1949, the Constituent Assembly gave final approval to the 'Constitution of Independent India'. It is from here that the journey of India's parliamentary democracy begins. The country celebrates this day as 'Constitution Day'. The President and the Prime Minister give good statements. Festivals are also celebrated. The Constitution was implemented on January 26, 1950, hence the country celebrates 'Republic Day' on that day. The two important pillars of the Constitution and democracy are the Judiciary and the Governor.

These days, the judges of the Supreme Court have had to make harsh and angry comments against some governors. The apex court has to set a definite limit on the discretionary, constitutional and arbitrary powers of the Governor on the basis of Punjab Governor, so that the Governors of Tamil Nadu, Kerala and Telangana can also learn a lesson. If the Governor does not fulfill his responsibilities as per the Constitution, the Constitution Bench of the Supreme Court will have to take more stringent decisions.

The powers and responsibilities of all posts are well defined in the Constitution. Then what are the reasons that the apex court has had to make harsh comments against the governors. Rather, his behavior had to be termed as 'unconstitutional' and 'political'? One reason could be Article 200, which incompletely explains the time in which the Governor will give his assent to the bills. In this context, the Chief Justice of the country Justice DY Chandrachud has even had to say that the Governor is not omnipotent in democracy and the Constitution. They are not even elected public representatives.

He is appointed by the President, on the recommendation of the Union Cabinet. They cannot 'veto' the elected assembly in a democracy. The basic strength of the Constitution and democracy lies in the legislators elected by the people. The Governor cannot declare the Assembly session 'illegal'. Justice Chandrachud has questioned Tamil Nadu Governor RN Ravi as to what he was doing for three years? Comments have been made about Punjab Governor Banwari Lal Purohit whether he suspects that he is playing with fire? In this way parliamentary democracy itself will be in danger! Governors are the 'symbolic heads' of the states. The real powers lie with the legislature.

This has been reiterated time and again in various judicial decisions over the last 50 years. Yet the Governor continues to sit idle for years over the bills which have been passed by the Assembly. In this way the Governor has been continuously ignoring the policies of the present state government and the intentions of the legislature. This is not the inherent spirit of the Constitution and democracy. Thankfully, the Constituent Assembly did not decide on the provisions for 'elected governor'.

It was arranged that the Governor would be appointed only in consultation with the Chief Minister. This constitutional provision has also been continuously violated. Now all these controversial governors have been members of BJP or Sangh Parivar or are their supported faces, hence the attitude of the governors towards non-BJP state governments is completely political. Therefore, a constitutional amendment should be brought in the Parliament and the role of the Governor should be redefined, or the court should give a decision.

Country's Politics: Panauti's Bhaukaal and Bhaukaal's Panauti..!

However, two things are worth noting that in today's times, the language of politics is returning towards the native idioms of Hindi and it is equally deadly. Words originate from the people, but politics gives them new meanings and dimensions. These days, a lot of politics is being done on two very indigenous words and this politics is also negative. These words are 'Panauti' and 'Bhaukaal.' These words are not completely new in literature and colloquial speech, but in politics they are now being used in the same form to mask each other, which is probably the basic meaning of these words. . That means, even in Panauti, Bhaukaal is being seen and Panauti, hidden within Bhaukaal, is being threatened. However, two things are worth noting that in today's time, the language of politics is returning towards the native idioms of Hindi and it is equally lethal. Its veracity can be debated, but the interesting thing is that these words have been used by Rahul Gandhi and Priyanka Gandhi, whose command over Hindi has often been questioned. The word 'Panauti' is not new in Hindi. But its use in political language is something new. Panauti is formed by adding suffix Auti to the Hindi word Pan. Its meaning is that any person has bad omen or bad omen. Congress leader Rahul Gandhi, during the election campaign in Rajasthan, said that our boys would have won the ICC World Cup there... Panauti made them lose there. TV people will not say this but the public knows. On this comment of Rahul, the Election Commission served him a notice. However, before this, Modi had called Rahul a 'lord of fools' and after Rahul called Modi a panauti, Madhya Pradesh Chief Minister Shivraj Singh Chouhan had even called Rahul a 'national shame'. While BJP asked Rahul Gandhi to apologize for using this word, Assam Chief Minister and former Congressman Himanta Biswas Sarma targeted the entire Gandhi family for 'Panauti'. He said that 'no auspicious work can be done in the country on the birthday of Gandhi family.' Coincidentally, November 19 was the birth anniversary of Indira Gandhi, the day of the World Cup final. In this context, Congress leader Priyanka Gandhi had expressed hope that Team India would become the champion on this occasion. There was also a hidden message in it that in 1983, when the Indian cricket team became the One Day World Champion for the first time, Indira Gandhi was the Prime Minister of the country. In response, BJP IT Cell said that the Pakistani team had defeated India 7-1 in the semi-finals of hockey in the Asian Games held in New Delhi in 1982. At that time PA Indiraji and future PM Rajiv Gandhi were present in the stadium. BJP's question was that who would be called Panauti here? Linking someone's mere presence with victory or defeat may be a trick, not a logical basis. Yet what Rahul said was a direct attack on Prime Minister Narendra Modi and his narcissistic working style. Because Modi himself was present in the stadium in the final match. According to Rahul, the presence of PM Modi proved to be inauspicious for the Indian team and despite playing well in the entire tournament, it lost to Australia in the final. The wishes of 140 crore people were dashed. The hidden message in this allegation was that Modi's presence is not auspicious for the country. This allegation in itself was a political googly, through which an attempt was made to uproot the public support of the Prime Minister. All the opposition parties repeated this allegation of Rahul in their own way. Shiv Sena (Uddhav) and Mamata Banerjee said that if the final match was held in Mumbai or Kolkata, Team Rohit would have won in any case. However, there is no answer to the question that even if this had happened, would PM Modi have gone there and would the result have been different from Ahmedabad? There were also hushed allegations that there were full preparations to convert the Indian team's possible victory in Ahmedabad into political credit, which Team Cummins had already destroyed. It was also said that the pitch number five of Namo Stadium, on which the final match was held, betrayed it at the last moment. Otherwise the crown of World Cup winner would have rested with the Indian team. Since the final was held at the NaMo Stadium in Narendra Modi's home state Ahmedabad, the PM himself was present there, hence unnecessary psychological pressure was created on the Indian team, that is why India continued to become the world champion. That means, if even a shot hit for a six is caught on the boundary, it is a sure shot of defeat. However, despite Team Rohit's defeat, the Prime Minister showed his sincerity by going to the dressing room to encourage the Indian players. Well, Sudhi people believe that leaders should stay away from sports. Because sports can bring prestige and money, not votes. If he wants, he can meet the players after victory or defeat. In fact, the basic difference between politicians cheering for players and common sports fans cheering is that while cheering, politicians are unable to avoid the temptation of becoming a 'cheerleader' themselves. Whereas the common sports fan also accepts his favorite team as Prasad from God. Therefore, there is a difference between 'political trick' and ordinary 'trick'. Panauti is the obstinacy of giving concrete form to the notion of bad luck. He is actually a target on whom the blame of defeat, disgrace or destruction can be placed. By the way, BJP has been doing this work with Rahul Gandhi for a long time. But she has been avoiding the use of the word 'Panauti'. Now Rahul (although I don't know how well he understands the impact of this indigenous Hindi word) has used this same Brahmastra against Prime Minister Narendra Modi in his election campaign. BJP is upset with this allegation and now 'Panauti' in political terminology is trending on many platforms and social media. There is a story by famous writer Malti Joshi, 'I am a challenge, not a panauti.' In this, the heroine, with her struggle and determination, manages her family surrounded by financial problems, while her husband and in-laws hold her responsible for the financial crisis. . Some political linguists believe that the use of 'Panauti' for PM Modi in the election campaign is a political answer to the word 'Pappu' used by BJP for Rahul. The second word which has trended a lot on the political screen these days is 'Bhaukaal'. It is said that it is a word from the dialect of Uttar Pradesh and especially Lucknow and Awadh areas. Bhaukaal means artificial status. According to experts, Bhaukaal is created, staged and also shown. That means trying to present oneself in an exaggerated manner. In other words, Bhaukaal is the charisma of a person which is negatively appreciated. Linking someone's mere presence with victory or defeat may be a trick, not a logical basis. Yet what Rahul said was a direct attack on Prime Minister Narendra Modi and his narcissistic working style. Because Modi himself was present in the stadium in the final match. laying well in the entire tournament, it lost to Australia in the final. The wishes of 140 crore people were dashed. The hidden message in this allegation was that Modi's presence is not auspicious for the country. This allegation in itself was a political googly, through which an attempt was made to uproot the public support of the Prime Minister. All the opposition parties repeated this allegation of Rahul in their own way. Shiv Sena (Uddhav) and Mamata Banerjee said that if the final match was held in Mumbai or Kolkata, Team Rohit would have won in any case. However, there is no answer to the question that even if this had happened, would PM Modi have gone there and would the result have been different from Ahmedabad? There were also hushed allegations that there were full preparations to convert the Indian team's possible victory in Ahmedabad into political credit, which Team Cummins had already destroyed. It was also said that the pitch number five of Namo Stadium, on which the final match was held, betrayed it at the last moment. Otherwise the crown of World Cup winner would have rested with the Indian team. Since the final was held at the NaMo Stadium in Narendra Modi's home state Ahmedabad, the PM himself was present there, hence unnecessary psychological pressure was created on the Indian team, that is why India continued to become the world champion. That means, if even a shot hit for a six is caught on the boundary, it is a sure shot of defeat. However, despite Team Rohit's defeat, the Prime Minister showed his sincerity by going to the dressing room to encourage the Indian players. Well, Sudhi people believe that leaders should stay away from sports. Because sports can bring prestige and money, not votes. If he wants, he can meet the players after victory or defeat. In fact, the basic difference between politicians cheering for players and common sports fans cheering is that while cheering, politicians are unable to avoid the temptation of becoming a 'cheerleader' themselves. Whereas the common sports fan also accepts his favorite team as Prasad from God. Therefore, there is a difference between 'political trick' and ordinary 'trick'. Panauti is the obstinacy of giving concrete form to the notion of bad luck. He is actually a target on whom the blame of defeat, disgrace or destruction can be placed. By the way, BJP has been doing this work with Rahul Gandhi for a long time. But she has been avoiding the use of the word 'Panauti'. Now Rahul (although I don't know how well he understands the impact of this indigenous Hindi word) has used this same Brahmastra against Prime Minister Narendra Modi in his election campaign. BJP is upset with this allegation and now 'Panauti' in political terminology is trending on many platforms and social media. There is a story by famous writer Malti Joshi, 'I am a challenge, not a panauti.' In this, the heroine, with her struggle and determination, manages her family surrounded by financial problems, while her husband and in-laws hold her responsible for the financial crisis. . Some political linguists believe that the use of 'Panauti' for PM Modi in the election campaign is a political answer to the word 'Pappu' used by BJP for Rahul. The second word which has trended a lot on the political screen these days is 'Bhaukaal'. It is said that it is a word from the dialect of Uttar Pradesh and especially Lucknow and Awadh areas. Bhaukaal means artificial status. According to experts, Bhaukaal is created, staged and also shown. That means trying to present oneself in an exaggerated manner. In other words, Bhaukaal is the charisma of a person which is negatively appreciated. Linguists associate its meaning with 'addressing time' (Bho+Kaal). It is said that Late was the first to use this word in politics. Mulayam Singh's daughter-in-law Aparna Yadav had done this a decade ago as a sarcasm on the working style of the then Akhilesh government. He had said that 'Only the Ministry of Environment runs in UP. If Bhaukaal is to attract people's attention then I am definitely Bhaukaali. Now this same word was used by Priyanka Gandhi during the election campaign. He said that the workers requested me to sit in the big car. I asked why and the answer I got was that these days it is politics of appearance. Has nothing to do with public problems. Whatever intention and understanding these two words may have used in the election campaign, they clearly reflect the current politics and character of our country. Unfortunately, mutual bitterness and hatred in the game of power has reached such a low level that even victory or defeat in the actual game is now a matter of political manipulation. On the other hand, 'timelessness' has now become an important factor in politics. This is actually a marketing skill to sell lies to the public by wrapping them in the wrapper of truth. The real question before the public is whom they consider as 'Panauti' and whose 'Bhaukaal' they consider as reality.

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डूबकी, बच्चों ने चाट पकौड़ी की लिया आनंद

सीएल गुप्ता घाट, मझोला गांगन, कटघर के गंगा मंदिर, लालबाग के काली माता मंदिर पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई डूबकी

मुरादाबाद- कार्तिक पूर्णिमा पर सोमवार को हजारों श्रद्धालु आस्था की डूबकी लगाने रामगंगा नदी और गांगन नदी के तटों पर पहुंचे। इस दौरान घाटों पर मेले भी लगा। जिसमें बच्चों ने चाट पकौड़ी की आनंद लिया। बड़ी संख्या में लोगों ने नदी के तट पर मुंडन संस्कार कराए और स्नान करके पुण्य प्राप्त किया। पुलिस प्रशासन ने लोगों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए। कार्तिक पूर्णिमा पर आधी रात से ही श्रद्धालु रामगंगा नदी के तट पर इकट्ठा होने लगे थे। सूर्य निकलने से पहले ही स्नान कार्यक्रम शुरू हुआ।

सूर्य उदय पर पुष्प और चावल लेकर भास्कर देव को जल अर्पित किया। नदी में स्नान करके श्रद्धालुओं ने मनोकामना मांगी। रामगंगा विहार में सीएल गुप्ता घाट, कटघर के गंगा मंदिर, लालबाग के काली माता मंदिर, दसवां घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का सैलाब नजर आया। मंदिरों पर लगे मेलों में लोगों ने जमकर खरीदारी की। मेले में चाट पकौंड़ी के साथ बच्चों के लिए झूला का इंतजाम भी रहा। जिसमें बच्चों ने खूब आनंद उठाया।

तड़के मस्जिद-मंदिर व अन्य धार्मिक स्थल पर जांचे गए ध्वनि विस्तारक यंत्र

मुरादाबाद-ताजपुर माफी की अहमद रजा मस्जिद में लगे मिली तीन लाउडस्पीकर, उतरावाया और मौलवी को चेताया भी एसएसपी हेमराज मीना ने सोमवार सुबह पांच से सात बजे तक मस्जिद-मंदिर व अन्य धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्र में आवाज के पड़ताल की है। जहां एक से अधिक साउंड लगे थे, वहां उन्हें उतरवाया है। अभियान के दौरान कटघर थाना क्षेत्र के ताजपुर माफी में अहमद रजा मस्जिद में तीन सुराही (लाउडस्पीकर) लगे मिले। इसमें से पुलिस ने दो सुराही उतरवाई हैं। मस्जिद के मौलाना नदीम को पुलिस ने भविष्य में दोबारा एक से अधिक सुराही लगाने पर कड़ी कार्रवाई के लिए भी चेताया है। कटघर सीओ डॉ. गणेश कुमार गुप्ता ने बताया कि कटघर व गलशहीद थाना क्षेत्रों के कई धार्मिक स्थलों पर पर ध्वनि विस्तारक यंत्र मानक से अधिक वाले भी पाए गए। संबंधित लोगों को समझाकर चेतावनी दी गई है। उन्होंने बताया कि कटघर थाना क्षेत्र में कुल 177 धार्मिक स्थल हैं। इनमें 92 मस्जिद और 77 मंदिर व अन्य धार्मिक स्थल हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी धार्मिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर की आवाज उसके परिसर से बाहर जा रही तो रोकना है। इस तरह पुलिस अधिकारियों ने बताया, धार्मिक स्थलों पर 40 डेसीबल तक का वॉल्यूम सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी की गई गाइड लाइन में दिया गया है।

इससे अधिक वॉल्यूम में लाउडस्पीकर बजाने पर कार्रवाई हो रही है। इसी के अनुपालन में सुबह पुलिस के लगभग सभी अधिकारी धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर निरीक्षण किया है। गलशहीद थानाध्यक्ष सौरभ त्यागी ने बताया कि उनके क्षेत्र में 45 मस्जिद, 9 मंदिर समेत कुल 54 धार्मिक स्थल हैं। इनमें सुबह चले अभियान के बीच में 10 मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकर की आवाज कम भी कराई गई है। उन्होंने बताया कि निर्देश हैं कि धार्मिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर की आवाज परिसर में ही रहे, ऐसे निर्देश हैं जिनका अनुपालन कराया जा रहा है। कटघर थाना क्षेत्र में काशीपुर तिराहा पुलिस चौकी इंचार्ज ओम शुक्ल ने बताया कि उनके क्षेत्र में 40 मस्जिद व 12 मंदिर हैं। इन सभी जगह के लाउड स्पीकर में 40 डेसीबल तक का वॉल्यूम ही मिला है, कुछ जगह इससे भी कम पाया गया है। उन्होंने बताया कि मौलाना व पुजारी को समझाया गया है कि रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर नहीं बजेगा और निर्धारित वॉल्यूम से अधिक ध्वनि का विस्तार नहीं किया जाएगा। अजान-भजन पूजन के लिए एक ही लाउडस्पीकर रहेगा। उन्होंने बताया कि तड़के सुबह ही मस्जिदों में अजान व मंदिरों में भजन के लिए लाउडस्पीकर से ध्वनि विस्तार किया जाता है। इसी क्रम में पुलिस ने मंदिर, मस्जिद व अन्य धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर में ध्वनि विस्तार की जांच की है। गोट गांव की जामा मस्जिद, बरबावाला, ताजपुर माफी में अहमद रजा मस्जिद, भैंसिया की तालाब वाली बड़ी मस्जिद, ताजपुर माफी का प्रचीन शिवमंदिर, रफातपुर का बाला जी महाराज मंदिर, एकता विहार कॉलोनी की विलाल मस्जिद व लालद्वारा मंदिर में लाउडस्पीकर के वॉल्यूम को जांचा गया है। इसी तरह भैसिया में चर्च और कटघर थाने के सामने आदर्शनगर में स्थित गुरुद्धारा में लगे लाउडस्पीकर में उसके वॉल्यूम को देखा गया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रामगंगा विहार पुलिस चौकी प्रभारी राजविंदर कौर ने बताया कि उनके क्षेत्र में 11 मंदिर हैं। इनमें ध्वनि विस्तार यंत्र नियमानुसार ही लगे हैं। इन सभी मंदिरों जाकर साउंड की आवाज को जांचा गया है। डीजीपी के निर्देश पर चला अभियान- एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि पुलिस महानिदेशक के स्तर पर जारी निर्देश के क्रम में सोमवार सुबह मंदिर-मस्जिद व अन्य धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर में वॉल्यूम के विस्तार की जांच की गई है। उन्होंने बताया कि किन स्थलों पर मानक से अधिक ध्वनि विस्तार पाया गया है, इसके संबंध में प्रत्येक थाने से सूचना एकत्र की जा रही है।

मुरादाबाद में साफ हुई हवा, वायु प्रदूषण कम होने से येलो रेंज में छह मुख्य स्थान

मुरादाबाद- सबसे साफ बुद्धि विहार, कांशीराम नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, कांशीराम नगर आदि में भी सूचकांक 150 से कम पिछले दिनों महानगर के मोहल्लों में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई। दमा के रोगियों के लिए समस्या गंभीर हुई। लेकिन सोमवार को प्रदूषण स्तर में काफी सुधार रहा। महानगर के प्रमुख छह स्थान पर वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहतर स्थिति में रहा। जिसमें सबसे स्वच्छ दिल्ली रोड पर बुद्धि विहार का इलाका रहा। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 110 पीजीएम (प्रति घन मीटर) रिकॉर्ड किया गया। वहीं अन्य क्षेत्र भी साफ रहे। सूचकांक यलो रेंज में रहा। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में पिछले साल देश में मुरादाबाद नगर निगम नंबर एक आया था। जबकि इस दूसरा स्थान मिला था। दिवाली पर आतिशबाजी के चलते वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। दिल्ली रोड सहित कई अन्य क्षेत्र में सूचकांक 300 पार कर रेड जोन में पहुंची था। बाद में थोड़ा सुधार हुआ लेकिन पिछले सप्ताह कई जगह खुले में कूड़ा जलने और सड़कों पर उड़ रही धूल से प्रदूषण फिर खतरनाक स्तर पर आ गया। जिसे देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने उन क्षेत्रों में स्प्रिंकलर मशीन से सड़कों और पेड़ों पर पानी का छिड़काव कराया। जिससे राहत मिली। सोमवार को महानगर में वायु प्रदूषण काफी कम रहा। बुद्धि विहार में सूचकांक 110, जिगर कालोनी में 134, कांशीराम नगर में 131, ट्रांसपोर्ट नगर में 127, दिल्ली रोड पर ईको हर्बल पार्क क्षेत्र में 134 और कांठ रोड पर सेवायोजन कार्यालय क्षेत्र में सूचकांक 142 रहा। इससे लोगों ने राहत की सांस ली। पीतलनगरी में औद्योगिक इकाइयों में प्रदूषण के ठोस उपाय न होने, वाहनों के धुएं और खुले में कूड़ा जलाने पर सख्ती न होने से कई बार यहां वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक हो जाता है। इसको लेकर नगर निगम प्रशासन सतर्कता बरत रहा है।

नगर निगम के पर्यावरण अभियंता अभिषेक कुमार का कहना है कि स्प्रिंकलर मशीन से प्रदूषण वाले क्षेत्रों में पानी का छिड़काव सड़कों और पेड़ों पर पानी का छिड़काव कराया जाता है। खुले में कूड़ा जलाने वालों पर कार्रवाई होगी।

यातायात नियमों का करें पालन, संभलकर चलाएं वाहन

मुरादाबाद-चालू वर्ष के 10 महीने अर्थात अक्टूबर तक जिले में 379 हादसे हुए हैं। इनमें 257 लोग अपनी जान गवां चुके हैं, जबकि 302 लोग घायल हुए हैं। इसी आंकड़े पर एसपी ट्रैफिक कहते हैं कि जिन परिवारों के सदस्यों ने दुर्घटना में जान गंवाई है, उनमें परिवार के मुखिया भी हैं। उन्होंने कहा, सोचिए जिस परिवार के मुखिया की हादसे में असमय मौत हो गई है, उसके परिजनों का क्या हाल होगा। बच्चों के स्कूल/ट्यूशन की फीस संग शिक्षा भी प्रभावित हो रही होगी। परिवार के तमाम खर्चे पूरे होने में आर्थिक दिक्कत हो रही होगी। छोटे-छोटे बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा होगा, उनको बाजार से खिलौने कौन लाकर देगा। एसपी ट्रैफिक सुभाष चंद्र गंगवार कहते हैं कि परिवार में जब तक पिता है, बाजार में बच्चों के खिलौने अपने हैं और सारे सपने भी साकार होते हैं पर जब सिर से अभिभावक का साया उठ जाता है तो बच्चों को भी सब कुछ पराया महसूस होने लगता है। इसलिए सड़क पर सफर करते समय यातायात नियमों का पालन जरूरी है। एसपी ट्रैफिक ने कहा, वाहन चालाक या उस पर सवार होने वाले लोग जिंदगी की सुरक्षा अपने लिए न सही लेकिन, कम से कम अपने बच्चों-पत्नी के लिए ही करें तो निश्चित ही सड़क हादसों में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि एक नवंबर से पुलिस यातायात माह मना रही है। नियम उल्लंघन कर करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई हो रही है। इसमें बड़ी संख्या में वह भी हैं जो नशे की हालत में वाहन चलाते मिल रहे हैं, दूसरे वह लोग भी हैं जो बाइक चलाते समय मोबाइल पर बात करने वाले हैं। देखा जा रहा है कि यातायात माह में भी लोगों को जिंदगी की बात दूर, पुलिस की कार्रवाई तक का भय नहीं है। यातायात नियमों के अनुपालन में जब तक जन सहयोग नहीं मिलेगा, तब तक कामयाबी मुश्किल है।

जागरूकता पर भी जोर

एसपी ट्रैफिक ने बताया कि कार्रवाई के साथ यातायात नियमों के प्रति लोगों में जागरूकता लाना भी जरूरी है। इसीलिए 19 नवंबर तक 357 स्कूल-कॉलेजों में 26,162 से अधिक छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के बारे में बताया गया। मेला/बाजारों में भी 8275 लोगों को सफर में जिंदगी की सुरक्षा के बारे में बताया गया है। सड़क मार्ग पर 16,610 राहगीरों को रास्ता क्रॉस करना चाहिए आदि के बारे में समझाया गया है। 8400 लोगों को पंफलेट बांटे गए हैं। ई-रिक्शा, ऑटो, टेंपो के 5123 चालकों को और ट्रैक्टर-ट्रॉली के 1126 चालकों को वाहन संचालन के संबंध में प्रशिक्षित भी किया गया है। सड़क हादसों में से सबसे अधिक मौतें बिना हेलमेट के बाइक सवारों की हो रही हैं। इसलिए बाइक चलाते और उस पर बैठकर चलने वालों को हेलमेट लगाने के लिए हम खासकर स्कूलों में जाकर छात्र-छात्राओं को प्रेरित कर रहें हैं। उनको यातायात नियमों की अनिवार्यता के बारे में समझा रहे हैं। कार सवारों को सीट बेल्ट के प्रयोग के महत्व को बता रहे हैं। हादसे और उसमें होने वाली मौतों के आंकड़े देखकर कष्ट होता है। हर किसी को सफर में अपनी सुरक्षा करनी चाहिए। -सुभाष चंद्र गंगवार, एसपी ट्रैफिक

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा में मुस्तैद रही पुलिस

मुरादाबाद-कार्तिक पूर्णिका के अवसर पर रामगंगा नदी के घाटों पर पुलिस सुबह पांच बजे ही मुस्तैद रही। सिविल लाइन थाना क्षेत्र और ठाकुरद्वारा, बिलारी व अन्य घाटों पर स्नान के लिए सुबह पांच बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुट रही है। रामगंगा विहार कॉलोनी क्षेत्र के घाट पर खान-पान के स्टॉल भी लगाए गए हैं। वहीं, कटघर थाना पुलिस भी घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए नाव, स्टीमर और नाव भी लगाई गई हैं। इस मामले में एक दिन पहले रविवार शाम को ही एसएसपी हेमराज मीना ने सभी सीओ और थानाध्यक्षों के साथ जूम मीटिंग कर व्यवस्थाएं जानी थीं और उन्हें बेहतर सुरक्षा प्रबंध करने के निर्देश भी दिए थे। कटघटर थाना क्षेत्र में रामगंगा नदी पर दो घाट हैं। इनमें अटल घाट व पीतलनगरी रामगंगा घाट पर सुबह 11 बजे तक करीब 1000 श्रद्धालु स्नान कर चुके थे। यहां पर काशीपुर तिराहा पुलिस चौकी इंचार्ज ओम शुक्ल व गुलाबबाड़ी चौकी प्रभारी उचित कुमार के साथ ही कांस्टेबल राजकुमार व कुलदीप कुमार समेत काफी पुलिस बल मौजूद रहा। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर स्नान के लिए घाट पर आने में श्रद्धालुओं को असुविधा न हो, इसके लिए पुलिस ने रामगंगा पुल पर भारी वाहनों को बाईपास से होकर डायर्वट कर रखा था। बाइक, कार व अन्य वाहनों से घाट पर श्रद्धालु बिना किसी बाधा के पहुंच रहे थे। अटल घाट पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि से लकड़ी की दो नाव और दो स्टीमर रिजर्व में रखे गए थे। यही नहीं, चार गोताखोर भी मौजूद थे। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रामगंगा विहार पुलिस चौकी प्रभारी राजविंदर कौर ने बताया कि रामगंगा नदी के सीएल गुप्ता घाट पर सुबह 11 बजे तक करीब 700 श्रद्धालु स्नान कर चुके थे। उन्होंने बताया कि घाट पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एक नाव और चार गोताखोरों की व्यवस्था की गई थी। इससे पहले रविवार को घाट पर बढ़िया साफ-सफाई कराई गई थी। चूना आदि का छिड़काव भी कराया गया था। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उनकी पूजा-आस्था में कोई बाधा न आए, इसलिए चौकी प्रभारी के साथ ही दरोगा ब्रजेश कुमार और हेड कांस्टेबल अनिल, सचिन व सोनू भी ड्यूटी पर लगे रहे।

निगम के अधिकारियों के दावे का सच सड़कों पर बेजान, जगह-जगह कूड़ा स्मार्ट सिटी की छवि को कर रहा बदरंग

मुरादाबाद-स्वच्छ और सुंदर महानगर के संकल्प को जगह-जगह कूड़ा और गंदगी मुंह चिढ़ा रहे हैं। दावा तो दिन हो या रात हर समय कूड़ा निस्तारण के विशेष प्रबंध का है मगर, सच ऐसा नहीं है। महानगर स्मार्ट सिटी में चुना गया है, इसके बाद रहन- सहन और शहरी जीवन जीने को लेकर लोगों की सोच बदली है लेकिन, सार्वजनिक स्थानों की गंदगी और समय से कूड़ा का निस्तारण का न होना स्मार्ट सिटी को बदरंग कर रहा है। चिकित्सकों को डर है कि अगर सफाई को लेकर निगम का यही रवैया रहा तो ठंड के मौसम में और संक्रामक बीमारियां खतरा बन सकती हैं। कांठ रोड़ से प्रतिदिन हजारों लोग आते-जाते हैं। सड़क किनारे हरथला चौराहा के पास कूड़े का ढेर किसी से छिपा नहीं है, यहां दिन हो या रात कूड़े का ढेर दिख जाता है। ऐसे लगता है कि दिन में कभी एक बार कूड़ा उठान सही से नहीं हो पाता है। सुबह कूड़ा उठाने के समय भी कर्मचारी लापरवाही करते हैं। वाहन पर कूड़ा लोड करते समय सड़क पर कूड़ा बिखेर देते हैं, जिससे यहां दुर्गंध सदैव रहता है। सफाईकर्मी इसको साफ भी नहीं करते है। पैदल चलने वाले लोगों को परेशान होते देखा जा सकता है। बाइक सवार नाक पर हाथ रखकर तेजी निकलते हैं। दुर्गंध से कई लोग उल्टी तक कर देते हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

संविधान दिवस के अवसर पर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय हुआ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण / जनपद न्यायाधीश रवीनद्र कुमार-द्व के आदेशानुसार आज रविवार को संविधान दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में भारतीय संविधान के पितामह बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का शुभारम्भ किया गया तत्पश्चात कमालुद्दीन अपर जिला/ सचिव, सचिव द्वारा उपस्थित सभी छात्राओं, अध्यापिकाओं एवं कर्मचारीगण को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना एवं मूल कर्तव्यों का पाठन कराया गया एवं संविधान के महत्त्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं घरेलू हिंसा, महिलाओं के अधिकार व उनके कर्तव्यों के हितों की जानकारी दी एवं उनके संरक्षण के बारे में जागरूक किया गया। इस शिविर का संचालन कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के वार्डेन द्वारा किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती रिचा यादव, पराविधिक स्वयं सेवक द्वारा महिलाओं के हित संरक्षण एवं उन पर होने वाली घरेलू हिंसा से बचाव व उनके अधिकार आदि के बारे में विधिक जानकारी प्रदान की।

भू माफिया का कैलाश मन्दिर प्रगण भूमि को टुकड़े टुकड़े बेचने का मैनोफ्चर जारी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-लखनऊ-उत्तर प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस नीती में विफल तब हो जाती है,भष्ट्राचार चरम पर राजस्व विभाग में पहुंच गया है, आपको बताते चलें विगत वर्षो से सरकार की मेहरबानी से अब अपने और अधिकारियों के रहमो करम पर रिश्वत लेते हैं, संत सरकार में भष्ट्राचार पर हमला हुआ है, लेकिन भष्ट्राचार में डूबे कानूनगो लेखपाल कोई सबक लेने को तैयार नही है, लेकिन डर उनके चेहरे पर मुस्कान बन कर उभरता साफ नजर आता है,

इसी क्रम में एटा जिले में भू माफियाओं का आतंक लेखपाल और कानूनगो के सांठ गांठ से जिला प्रशासन की साख पर बट्टा लगा दिया है, आज एटा में मन्दिर प्रगण की भूमि के टुकड़े टुकड़े बेचे जा रहे है, जिम्मेदार मौन कार्यवाही करें कौन उपजिलाधिकारी से लेकर अपर जिला अधिकारी को सही दिशा से भटका कर लेखपाल और कानूनगो अपनी जेब भरने में लगे है,इधर वर्तमान संपत्ति कैलाश मंदिर की मुकुल भान सिंह जी के राजा साहब के नाम है और ऑडियो राजा साहब ने साफ शब्दों में कहा है बैनामा हमने किसी को किया ही नही है, अब जिला प्रशासन तय करे जिलाधिकारी एटा को अंधेरे में कौन रखे है, अधिकारियों की साख पर बट्टा लग रहा है, अधिकारियों के नाम से भू माफियाओं से मोटी रकम ऐंठने का काम लेखपाल और कानूनगो भू माफिया से मिलकर कर कागजी हेर-फेर कर लिया है सूत्रों की माने तो प्लांटिंग शुरू हो गई है, संत सरकार में मन्दिर की भूमि टुकड़े टुकड़े बेचे जाने से आम चर्चा दबी जुबान से निकल रही है,जो भू माफिया सपा की सरकार में काम न कर पाए बो काम संत सरकार को रुपए देकर कर डाला है

सिलेंडर की आग ने डाला रंग में भंग

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-शहर के मोहल्ला जाटवपुरा में आयोजित एक शादी समारोह में उस समय रंग में भंग पड़ गया जब सिलेंडर में आग लगने से चार लोगों को अस्पताल तक पहुचना पड़ा ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जाटवपुरा में आयोजित शादी समारोह के दौरान खाना बन रहा था कि तभी अचानक गैस सिलेंडर में लगी आग से एक युवक तीन लड़कियां और एक महिला झुलस गई, स्थानीय लोगों ने जान पर खेल कर व मुश्किल आग पर काबू पाया और आग से झुलसे सभी घायलों को उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया ।

एटा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ से प्राप्त निर्देशानुसार एवं माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण / जनपद न्यायाधीश, एटा श्री रवीनद्र कुमार-I के आदेशानुसार दिनांक-26-11-2023 को संविधान दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एटा के तत्वावधान में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, एटा में समय दोपहर 12-00बजे भारतीय संविधान के पितामह बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का शुभारम्भ किया गया

तत्पश्चात श्री कमालुद्दीन अपर जिला/ सचिव, सचिव महोदय द्वारा उपस्थित सभी छात्राओं, अध्यापिकाओं एवं कर्मचारीगण को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना एवं मूल कर्तव्यों का पाठन कराया गया एवं संविधान के महत्त्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं घरेलू हिंसा, महिलाओं के अधिकार व उनके कर्तव्यों के हितों की जानकारी दी एवं उनके संरक्षण के बारे में जागरूक किया गया। इस शिविर का संचालन कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, एटा के वार्डेन द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमती रिचा यादव, पराविधिक स्वयं सेवक द्वारा महिलाओं के हित संरक्षण एवं उन पर होने वाली घरेलू हिंसा से बचाव व उनके अधिकार आदि के बारे में विधिक जानकारी प्रदान की।

किसान की समस्याओं की मजाक उड़ाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी किसानों के हितों की रक्षा की बात करते हैं तो शर्म आती है – राकेश

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के पूरे जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि किसने की समस्याओं की मजाक उड़ाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी किसानों के हितों की रक्षा करने की बात कर रहे हैं देश का किसान भी जानता है कि कांग्रेस के शासन में उनको कितनी सुविधाएं दी गई थी कांग्रेस नेताओं के केवल झूठ बोलना आता है भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि जब कांग्रेस नेता किसानों के हितों की बात करते हैं शर्म आती है झूठे वादे कर कर जनता का वोट बटोरना चाहते हैं कांग्रेसियों की इस चल को देश के किसान जान चुके हैं विरोधी दलों के नेता 5 वर्षो तक चुप बैठते हैं जब चुनाव का वक्त आता है तो तरह-तरह के झूठे वादे करते हैं विरोधी दलों के नेता किसानों के हितों की रक्षा कभी नहीं कर सकेंगे पूरे देश का किसान जानता है कांग्रेस नेता राहुल गांधी बताएं केंद्र में उनकी सरकार थी उन्होंने किसानों के लिए कितनी योजनाएं दी थी कितना लाभ दिया था कांग्रेस के शासन में किसान आत्महत्या कर रहे थे किसान भुखमरी के कगार पर था किसी भी योजना का लाभ किसानों को नहीं मिल रहा था किसानों के परिवार भुखमरी के रास्ते पर थे राहुल गांधी कहते हैं कि किसानों के हितों की रक्षा करेंगे जो देश का अपमान करने वाला नेता यह कहे कि हम देश के हितों की किसानों के हितों की रक्षा करेंगे बड़े शर्म की बात है भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि देश का किस देश का जवान नवयुवक कांग्रेस नेताओं के एवं विरोधी दलों के नेताओं की चाल को जान चुका है विरोधी दलों के नेता भूल जाएं पर कहीं भी सरकार में आ सकते हैं वह हवा गई पूरे देश की जनता किसान युवा हर समाज का व्यक्ति बीजेपी के साथ है भाजपा की सरकार बनने जा रही है जहां भी पांच राज्यों में चुनाव हो रहा है पांचो राज्यों में भाजपा की सरकार बनने जा रही है इस बात को विरोधी दलों के नेता भी जानते हैं

24 कुन्डीय गायत्री महायज्ञ के लिऐ आज विशाल कलश यात्रा का हिन्दूवादी किसान नेता राजू आर्य हरी झण्डी दिखाकर करेगें शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-अखिल विश्व गायत्री परिवार ट्रस्ट एटा मण्डल की ट्रस्टी / मीडिया प्रभारी श्रीमती ओमलक्ष्मी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार स्थानीय जेल रोड निकट लालपुर स्थिति गायत्री धाम पर आज मगंलवार से आयोजित 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के लिऐ विशाल कलश यात्रा का प्रात: 10 बजे हिन्दूवादी किसान नेता राजू आर्य द्वारा हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया जाऐगा ! श्रीमती ओमलक्ष्मी ने आगे बताया कि शांति कुंज हरिद्वार से पधारे विद्वान आचार्यों द्वारा मगंलवार 28 नवम्बर से 1 दिसम्बर तक 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञापुराण कथा का आयोजन भव्यतम रूप से कराने के लिऐ आयोजन समिति द्वारा सभी व्यवस्थाऐं पूर्ण कर ली गयी हैं ! श्रीमती ओमलक्ष्मी सहित गायत्री परिवार के रामप्रकाश तिवारी , संतोष शर्मा , हरीशंकर शर्मा, राजकुमार पाठक , सुरेन्द्र कुलश्रेष्ठ , हेमेन्द्र तोमर , सुशील कुमार वाष्णेय , रवि कश्यप , रविदत्त उपाधायाय , नारायण भाष्कर एड. , मायाप्रकाश यादव आदि गायत्री परिजनों ने सभी गायत्री परिवार की बहिनों से मगंलवार सुबह 9 बजे से पूर्व गायत्री धाम जेल रोड लालपुर पहुंचने की अपील की है ताकि प्रात: 10 बजे विशाल कलश यात्रा का शुभारम्भ हो सके !

कार्तिक गंगा स्नान के लिए शामली से हुई बस रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली कार्तिक पूर्णिमा महापर्व हरिद्वार गंगा स्नान हेतु शामली से कई बस गंगा स्नान करने के लिए सैकड़ो की संख्या में बस हरिद्वार के लिए रवाना हुई जिन भक्तों ने कार्तिक स्नान के लिए हरिद्वार गंगा जी के दर्शन करने एवं स्नान करने के लिए बस में सवार हुए भक्तजन

एसएसबी व नेपाल एपीएफ ने किया गश्त

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती जनपद में 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा के कमाण्डेन्ट रबीन्द्र कुमार राजेश्वरी के दिशा निर्देशन में जी कम्पनी की सीमा चौकी तुरुषमा के कंपनी इंचार्ज शेषराम के नेतृत्व में नेपाल एपीएफ के साथ संयुक्त गश्त का आयोजन किया गया इस दौरान सीमा चौकी तुरुषमा से हेड कांस्टेबल जितेंद्र सिंह कांस्टेबल राम लखन व अन्य जवान तथा नेपाल एपीएफ के इंस्पेक्टर जगदीश जोशी व अन्य नेपाल जवान के द्वारा सीमा स्तम्भ 639 से 638 तक संयुक्त गश्त किया गया। इस संयुक्त गश्त का मुख्य उद्देश्य भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ाना, सीमा पर होने वाली अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण, दोनों बलों में मैत्री पूर्ण सम्बन्ध को कायम रखना, सूचनाओं का आदान-प्रदान करने हेतु सुरक्षा बलों द्वारा संयुक्त गश्त की गई है। वहीं गश्ती के दौरान एस.एस.बी की ओर से लगातार सीमा पर होने वाले अपराधो को खत्म करने की कोशिश लगातार जारी है

विवाह का मौवरा फेंकने गये युवक का पैर फिसलने से राप्ती नदी मे डूब कर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती थाना क्षेत्र मल्हीपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत पटना के मजरा बीरगंज के निवासी राम तेज गुप्ता आयु 25 वर्ष पुत्र हरिप्रसाद सुबह मेला स्थान कथरा माफी हनुमानगढ़ी पर शादी का मौवरा फेंकने के लिए गए हुए थे वहीं पर मौवरा फकते समय पैर फिसल गया और रप्ती नदी के कछार में गहरे पानी में गिर गए जिससे डूब कर मौत हो गई कुछ लोगों ने देखा तो परिजनों को सूचना दिया मौके पर पहुंचे और शव को पानी से निकलकर घर ले घर आये बिना पुलिस सूचना दिये अंतिम संस्कार कर दिया गया।

डीएपी खाद न मिलने से किसानों में मचा हाहाकार

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी-मऊरानीपुर पांचवे दिन भी डीएपी खाद लेने के लिए पीसीएफ केंद्र मऊरानीपुर पहुंचे कई सैकड़ा किसान पीसीएफ केंद्र बंद होने से खाद न होने से मायूस होकर लौट किसान। इन दोनों जनपद झाँसी में खाद के लिए किसानों में हाहाकार मचा हुआ है खाद के लिए खाद वितरण केंद्रों पर किसानों की लंबी-लंबी कतारे लग रही है सुबह से शाम तक लाइन लगाने के बाद भी किसानों को खाद नसीब नहीं हो पा रही है आज मऊरानीपुर पीसीएफ केंद्र में सुबह 6-00 बजे से सैकड़ों की संख्या में किसान आ धमके पीसीएफ केंद्र बंद होने से एवं खाद न होने से गुस्साए किसानों ने उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार के नेतृत्व में पीसीएफ केंद्र के बाहर जोरदार प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की यूपी किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार ने किसानों की दर्द भरी दास्तां सुनी और तुरंत उपजिला अधिकारी मऊरानीपुर से फोन के माध्यम किसानों की पीड़ा को अवगत कराया जिस पर उप जिला अधिकारी जी ने कहा आज शाम 3-00 बजे तक झांसी से खाद आ जाएगा कल वितरण होगा तब किस माने और अपने-अपने घरों को चले गए। यूपी किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार ने किसानों की वेदना पीड़ा को सुना किसानों ने बताया साहब खेती समय की होती है समय पर पानी बीज खाद की आवश्यकता होती है अगर समय पर यह चीज नहीं मिलेगी तो हम सब लोगों की खेती बर्बाद हो जाएगी

किसानों ने कहा साहब लगातार 6 दिनों से हम पीसीएफ केंद्र मऊरानीपुर आ रहे हैं गांव में बनी हुई सोसाइटियों में खाद है नहीं मजबूरन हम लोगों को मऊरानीपुर पीसीएफ केंद्र आना पड़ता है जहां पर हमको खाद नहीं मिलती है सुबह से लेकर शाम तक लाइन लगते हैं हमारा नंबर आते-आते खाद खत्म हो जाता है ऐसे में तो हमारे खेतों की नमी चली जाएगी और हम लोग दोबारा पलेवा करने की स्थिति में नहीं है इसलिए हम किसानों की समस्या को शासन प्रशासन एवं सरकार ध्यान दें और हम लोगों को खाद मुहैया कराए जिससे हम लोग समय पर अपने खेतों में फसलों को बो सकें। यूपी किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव नारायण सिंह परिहार ने कहा अगर सरकार शासन प्रशासन जनपद के सभी सोसाइटियों और पीसीयफ केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद यूरिया खाद की आपूर्ति नहीं करती है तो मजबूरन किसान कांग्रेस रोड पर उतरेगी आंदोलन करेगी।

कार्तिक पूर्णिमा पर भक्तों ने हरिद्वार गंगा स्नान किया

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली कार्तिक पूर्णिमा पर वक्त होने हरिद्वार गंगा स्नान किया शामली कार्तिक पूर्णिमा पर शामली से हरिद्वार सैकड़ो की संख्या में भक्तों को गंगा स्नान करने हेतु बस रवाना हुई जिसमे भक्तों ने हरिद्वार मां गंगा में स्नान किया

रातों-रात कटे गए प्रबंधित सागवान के 6 पेड़

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती वन विभाग बना अंजान हरदत नगर गिरंट के अंतर्गत ग्राम कलकलवा के मजरा द्वारिका गांव निवासी राधेश्याम मौर्य उर्फ मंत्री के बाग से बिना परमिट के ठेकेदार के हाथ सागवन के 6 पेड़ बेच दिया जिसे ठेकेदार रातों-रात काटकर उठा ले गया इस संबंध में हरदत्तनगर गिरंट के वन क्षेत्र अधिकारी भगवान सिंह से जानकारी लेने पर बताया गया कि संज्ञान में नहीं था संज्ञान में आया है जांच करके कार्रवाई की जाएगी ।

बाबू पुरवा में हुई हत्या के नामित/वांछित दो गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती प्राची सिंह द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी जमुनहा सतीश कुमार शर्मा के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय थाना मल्हीपुर मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर मुकदमा सम्बन्धित अभियुक्तगण

1. राजेश कुमार उर्फ लल्लू पुत्र कन्धई लाल 2. उपेन्द्र कुमार उर्फ तुल्ली पुत्र राम फेरन निवासीगण नकहा धर्मनगर थाना को0भिनगा जनपद श्रावस्ती को जमुनहा से भिनगा जाने वाली रोड पर पड़ने वाले प्राथमिक स्कूल ग्राम कोकल के पास से गिरफ्तार किया गया। उक्त अभियुक्तगण थाना मल्हीपुर क्षेत्र के ग्राम बाबू पुरवा में हुई हत्या के नामित/वांछित अभियुक्त थे।

सूने घरों को निशाना बनाने वाले शातिर चोर पर पुलिस ने कसा शिकंजा, दो लाख की कीमत के जेवरात हुए बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- वीरांगना नगरी में पुलिस ने सीपरी बाजार थानाक्षेत्र में पाल कालोनी में हाल ही में लाखों की चोरी को अंजाम देने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। शातिर चोर गिरफ्तार यहां पुलिस लाइन में इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक नगर एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि हाल ही में 18 नवंबर को सीपरी बाजार क्षेत्र में हरिकृपा के घर में घुसकर लाखों की चोरी को अंजाम देने वाले शातिर चोर अरविंद वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है और चोरी के लगभग दो लाख के जेवरात भी उसके पास से बरामद कर लिए गये हैं। शातिर चोर गिरफ्तार उन्होंने बताया कि थाना सीपरी बाजार क्षेत्र में मामला दर्ज किया गया था। और चोर की धर पकड़ के लिए टीमें लगायी गयीं थीं। थाना पुलिस देर रात क्षेत्र में चेकिंग पर थी इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पाल कालोनी में चोरी को अंजाम देने वाला शातिर साइकिल से चोरी का सामान लेकर निकला है। इस सूचना पर पुलिस ने तेजी से काम करते हुए चोर को शिवानी तिराहे से कुछ दूरी से गिरफ्तार किया। चोरी की घटना को अंजाम देने वाले अरविंद ने पाल कालोनी से चोरी की बात का स्वीकार किया। एसपी सिटी ने बताया कि गिरफ्तार चोर को जेल भेजा जा रहा है। अरविंद का पुराना आपराधिक इतिहास है । पहले भी यह हत्या और एनडीपीएस मामले में जेल जा चुका है। यह साइकिल से घूम घूमकर बंद और सूने पड़े घरों की पहचान करता था। जिस भी घर में ताला पड़ा मिलता था यह उन्हीं घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था।अरविंद चोरी करके ही परिवार चलाता था और नशे का आदी था।

बालिका NCC का 2023 वार्षिक प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी में 32 यूपी बालिका बटालियन एनसीसी झाँसी का वर्ष 2023 का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर जो कि दिनाँक 26 नवंबर 2023 बटालियन परेड ग्राउंड से संचालित हो रहा है। इस शिविर में झाँसी जनपद के महारानी लक्ष्मीबाई इंटर कॉलेज , वीरांगना महारानी लक्ष्मी बाई महाविद्यालय , रानी लक्ष्मीबाई पब्लिक स्कूल , केंद्रीय विद्यालय बबीना , स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय , सैंट फ्रांसिस कॉन्वेंट इंटर कॉलेज झाँसी , तथा बबीना के अलावा आरपी डिग्री कॉलेज बरूआसागर झाँसी एवं जनपद ललितपुर की लगभग 420 बालिका कैडेट्स प्रतिभाग कर रहीं है । आज दिनांक 27 नवंबर 2023 को कैम्प कमांडेंट कर्नल सोमवीर सिंह ने शिविर शुभारंभ कार्यक्रम में कैडेट्स को संबोधित करते हुये कहा कि सैन्य प्रशिक्षण जीवन के लिए अति महत्वपूर्ण अंग है और कैडेट्स को शिविर के दौरान एकता व अनुशासन बनाये रखने के लिए निर्देशित किया कैम्प कमांडेंट द्वारा एनसीसी लेने एवं ऑफिसर बनने के लिए केसेट्स को प्रोत्साहित किया तथा बताया कि शिविर के दौरान संपन्न होने वाली सारी गतिविधियों जैसे कि ड्रिल हथियार प्रशिक्षण फायरिंग बाधा प्रशिक्षण व मैप मानचित्र रीडिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर के दौरान कई प्रतियोगिताएँ जैसे ड्रिल बॉलीबॉल रस्सा कसी चित्रकारी आदि तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा कैम्प की समयावधि में ही बाहर से भी अतिथियों को विभिन्न प्रकार के व्याख्यानों के लिए जैसे यातायात नियंत्रण आगजनी के दौरान सुरक्षा महिला सुरक्षा व महिला शासक्तिकरण साफ़ सफ़ाई स्वक्षता आदि के लिए आमंत्रित किया गया है। शुभारंभ कार्यक्रम में सूबेदार मेजर धर्मवीर सिंह , सूबेदार कुलबहादुर थापा , सूबेदार सोहनलाल , सूबेदार मनोज सिंह , सूबेदार मोहन सिंह , सूबेदार जितेंद्र सिंह नेगी , नायब सूबेदार भान सिंह , केयर टेकर श्यामली सिंह, केयर टेकर ज्योति , केयर टेकर प्रीति, केयर टेकर राखी , केयर टेकर कंचनलता , श्री सत्यप्रकाश , श्री अश्विनी त्रिवेदी , बीएचएम हरेंद्र सिंह , हबलदार सूबेसिंह, जीसीआई रश्मि, और समस्त सिविल ब पीआई स्टाफ उपस्थित रहा ।

प्राकृतिक आपदा की मुआवजा राशि प्राप्त न होने के कारण सर्दी को ठुठाने को मजबूर

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

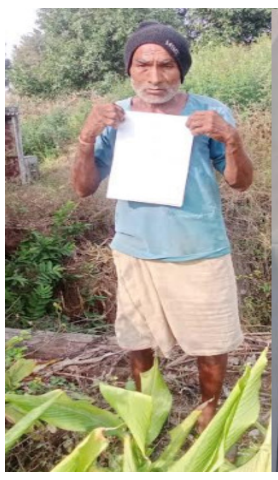

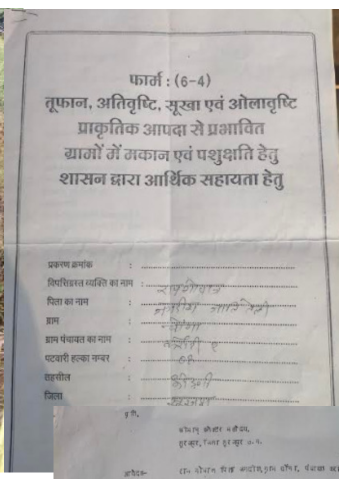

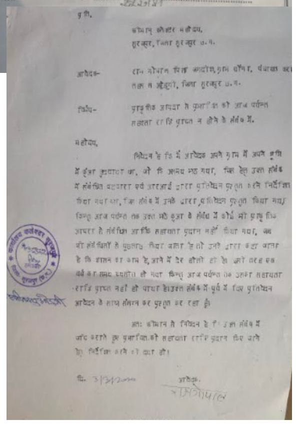

सूरजपुर-रामगोपाल साहू पिता जगदीश साहू ग्राम चोगा ग्राम पंचायत करौटी,ए का दिनांक/24/8/2019 को भारी बारिश के कारण कुआं दशक गया था पटवारी हल्का नंबर 8 के द्वारा मौके पर आकर के ग्रामीणों के समक्ष और उप सरपंच सरपंच भारी बारिश के कारण कुआं दशक गया था जो की पटवारी के द्वारा मौके पर आकर मौका जांच कर और सभी दस्तावेज ओडगई तहसील में प्रस्तुत किया गया था लगभग 3 वर्ष होने जा रहा है अभी तक प्राकृतिक आपदा की मुआवजा राशि प्राप्त नहीं हुई है सूरजपुर कलेक्टर ऑफिस में भी दिनांक3,3,2020 को मैं भी आवेदन प्रस्तुत किया गया था आज तक किसी प्रकार का इसका सुनवाई नहीं हुआ है और पटवारी के द्वारा आकलन किया किया गया था और पटवारी के द्वारा भारी बारिश के कारण कुआं दशक जाने का संपूर्ण दस्तावेज तैयार कर दे दिया गया था और ओडगी,तहसील में रामगोपाल साहू के द्वारा लगाया गया था आवेदक के पेट के जमीन में कुआं खुदाई हुआ था आज तक प्राकृतिक आपदा सहायता राशि नहीं मिला है आवेदक रामगोपाल साहू के द्वारा जिला सूरजपुर कलेक्टर ऑफिस में भी आवेदन प्रस्तुत किया गया था कुआं दशक जाने के संबंध में और बिहार पर तहसीलदार से बात किया गया तो तहसीलदार महोदय के द्वारा बताया गया कि हमारे पास कोई फाइल नहीं है आप लोग ओडगी, तहसील में पता करिए और पढ़ें

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्यौरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

युवाओं ने 26/11 में हमले में शहीद हुये जवानों को दी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा - शहर स्थित विवेकानंद पार्क कॉलेज चौराहा में 26/11मुंबई आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों व नागरिकों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई।आयोजित उक्त कार्यक्रम में वीर अमर जवानों की शहादत को याद करते हुए आंखें नम हो गई साथ ही अमर शहीद,अमर रहे, भारत माता की जय घोष के नारे लगे। कार्यक्रम के आयोजक अवनीश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम विगत वर्षों से सर्व समाजिक संगठनों के सहयोग से होता आया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम जन व युवाओं शहीदों के प्रति संवेदनशीलता लाना है। इस दौरान रीवा के समाजसेवियो में जय महाकाल सेवा संघ अध्यक्ष देवेंद्र द्विवेदी, बजरंग सेवा के संभागीय अध्यक्ष सोमिल तिवारी, जिला अध्यक्ष सुधीर तिवारी, युवा समाजसेवी परमजीत सिंह डंग मुकेश सोनी ,सर्वोदय समिति के महासचिव बृजेश प्रताप सिंह, सुशील सी ए कामर्श संस्थान के संचालक सुशील सिंह, डॉ के के पटेल, माँ जानकी सेवा समिति के अध्यक्ष इंजीनियर घनश्याम पटेल,रोटी योजना के जिला प्रभारी विनय तिवारी,बजरंग दल के जिला मीडिया प्रभारी पंडित बालकृष्ण द्विवेदी, बजरंग दल के नगर संयोजक मयंक तिवारी बजरंग दल के जिला सह मीडिया प्रभारी सुधांशु मिश्रा बजरंग दल कार्यकर्ता मनु शुक्ला,उदित गर्ग, उदय नारायण बाजपेयी, शुभम सिंह चौहान,अविष्कार फाऊंडेशन से अंशुमान गुप्ता,देव पाण्डेय,देवव्रत सिंह परिहार,सचिन कुशवाहा अनमोल सिंह,प्रणव पाठक,जय सिंह,अनिकेत तिवारी,सौरभ सिंह,आस्था सिंह, अनुराधा गुप्ता,अंकित दुबे,कमल तिवारी,प्राजंलि शुक्ला,हार्तिका शुक्ला,प्रिया मिश्रा,मनीषा तिवारी,एड.प्रिया मिश्रा,रामदेव पटेल, अरविंद पटेल,सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम का कुशल संचालन युवा एकता कल्याण संघ के अध्यक्ष राजराखन पटेल ने किया।

चोरी के अवैध कोयले से संचालित हो रहे हैं खदान क्षेत्र के चिमनी भट्ठे...

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

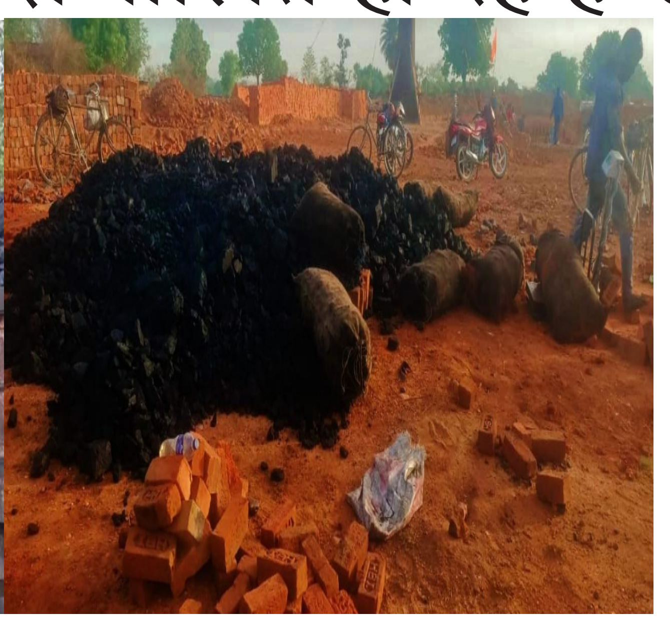

सूरजपुर- अवैध कोयले से गुलजार हो रहे हैं सूरजपुर थाना के मानी चौक लाइनपारा में संचालित चिमनी भट्ठे प्रतिदिन हजारों साइकिल और मोटरसाइकिल से इन्हीं भट्ठों पर चोरी के कोयले की आपूर्ति की जाती है खदानों से सट्टे होने का फायदा उठाकर गायत्री खदान से प्रतिदिन रात के अंधेरे मे 912,407 ट्रक ट्रैक्टरों से अवैध कोयला लेकर इन भट्ठे पर पहुंचाई जाती है ये ईंट भट्ठेदार भी कम रसूखवाले नहीं होते हैं कोई नेता तो कोई बड़ा बिजनेसमैन इनका मनोबल इतना कि क्षेत्र में कोई उनसे चू - चपड़ भी बोल नहीं सकता ऐसा इसलिए कि उसको स्थानीय थाना का संरक्षण प्राप्त है चिमनी भट्ठे में नाम मात्र भर के कागजी कोयला लेकर अंधाधुन अवैध कोयला चिमनी भट्ठों में लगाया जा रहा है जिससे चिमनी मालिकों को लाखों रुपए बस जा रहे हैं साथ ही अवैध कोयला कारोबारी को सुलभ कोयला खरीदार भी मिल जाता है 100 मीटर की दूरी पर लोगों की बस्ती है जहां ग्रामीणों ने बताया कि कोई ग्रामीण अगर उनके खिलाफ आवाज उठाता है तो उसे थाने का धौश दिखाकर या मारपीट कर चुप कर दिया जाता है शिकायत तो दूर वह उधर देखना भी भूल जाते है ईंट भट्ठे के कारोबार से क्षेत्र में खेती के लिए उपजाऊ मिट्टी का सफाया हो रहा है इन बातों में काम करने वाले दर्जन महिला मजदूर खेतों में और नदी तालाब के किनारे खुले में सोच जाते हैं जबकि प्रखंड भारत में सबसे पहले ओडीएफ प्रखंड बना था चिमनी भट्ठे के बगल में 100 मीटर की दूरी पर 200 घरों में छः सात सौ लोग निवासरत हैं और चिमनी भट्ठे से निकलने वाली विषैली धुएं के रूप में प्रदूषण का भी लोगों को सामना करना पड़ रहा है कई चिमनी भट्ठे वन भूमि पर अवस्थित है जानकारो के मुताबिक इसके एवज में स्थानीय थाना कोतवाली को प्रतिमाह लाखों रुपए मोटी रकम पहुंचाई जाती है सिर्फ यह रकम थाने तक ही सिमट कर नहीं रह जाती है यह सिस्टम के ऊपर से नीचे तक फूल - फिल किया जाता है इस लिए इधर खनिज विभाग, नाहीं थाना कोतवाली इधर झांकते हैं कोतवाली पुलिस को सब जानकारी होते हुए भी मूकदर्शक बन बैठी है पुलिस द्वारा कार्यवाही नहीं होने से अवैध कोयला कारोबारी व चिमनी ईंट भट्ठे वालों का मनोबल सातवे आसमान पर है जिले में अधिकतर ईंट भट्ठे व चिमनी भट्ठे अवैध कोयले से संचालित हो रहे हैं ग्रामीणों ने अवैध कोयले के खरीदार पर जिला प्रशासन व पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है ग्रामिण संतोष सिंह - भारी मात्रा में अवैध कोयला चिमनी भट्ठा में खफाया जा रहा है क्षेत्र में चिमनी भट्ठा से दो खदान सटी हुई है जिसका फायदा भटठेदार जमकर उठा रहा है ओने-पौने दामों में खरीद कर व पैसे का लालच देकर चोरी को बढ़ावा दे रहे हैं सूरजपुर थाना प्रभारी लक्ष्मण ध्रुव- इनका नंबर कवरेज क्षेत्र से बाहर होने के कारण इनका पक्ष नहीं लिया गया है

छह महीने... नौ महिलाओं की हत्या, हर बार एक जैसी कहानी; कहीं ये साइको किलर तो नहीं

बरेली के शाही और उससे सटे इलाकों में जून से अब तक एक तरीके से नौ महिलाओं की हत्या हो चुकी है। इससे इलाके में साइको किलर की आशंका से दहशत है। रविवार शाम को शीशगढ़ में नौवीं महिला का शव मिला। आईजी ने फिर संज्ञान लेकर गूगल मैप से हत्याओं के प्रभावित इलाके को चिह्नित करने का फैसला लिया है। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के शाही व उससे सटे इलाके में महिलाओं की हत्या का सिलसिला थमा नहीं है। अब शीशगढ़ में महिला की हत्या हुई है। छह महीने में यह नौवीं वारदात है। हर बार एक ही तरीके से वारदात को अंजाम दिया गया है। लगातार नौवीं महिला की एक ही तरीके से हत्या होने से पुलिस बैकफुट पर है। अब तक की सारी कवायद धराशायी होती दिख रही है। आईजी ने फिर संज्ञान लेकर गूगल मैप से हत्याओं के प्रभावित इलाके को चिह्नित करने का फैसला लिया है।

आईजी डॉ. राकेश कुमार सिंह ने पिछले दिनों लगातार हत्याओं के बाद इलाके में दर्जन भर पुलिस टीमें लगाई थीं। उन दिनों महिलाओं की हत्याएं थम गई थीं। अब दोबारा वही स्थिति है। पिछले दिनों दुलारी देवी की मौत के बाद पुलिस की टीमें शाही इलाके में लगी हैं तो उससे सटे शीशगढ़ के गांव में हत्या हो गई। आईजी ने बताया कि गूगल मैप से ऐसे इलाके को चिह्नित किया जाएगा, जहां गले में फंदा लगे महिलाओं के शव मिले हैं। भले ही उन मामलों में पोस्टमार्टम रिपोर्ट कुछ भी रही हो। उस इलाके में गांव-गांव पंचायत कर ग्रामीणों व प्रधानों की मदद से संदिग्धों व मानसिक विकृत लोगों को चिह्नित किया जाएगा। जेल से छूटे अपराधियों की भी तस्दीक और उनकी भूमिका का सत्यापन किया जाएगा। ऐसे लोगों के बारे में भी जानकारी की जाएगी, जिन्हें किसी उम्रदराज महिला से किसी तरह का धोखा मिला हो। दुलारी देवी समेत कुछ महिलाओं की मौत के मामले में सारे साक्ष्य हत्या से जुड़े होने के बावजूद उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह साफ नहीं हो सकी। कुछ में तो विसरा की रिपोर्ट भी सामान्य ही आई है। ऐसे में कुछ गुत्थियां पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने उलझा रखी हैं। आईजी ने बताया कि विवेचकों को निर्देश दिया जाएगा कि पोस्टमार्टम करने वाले पैनल के डॉक्टरों के साथ बैठकर ऐसे मामलों में मौत की अन्य संभावनाओं को लेकर जानकारी जुटाएं। अब शीशगढ़ में मिला शव - शीशगढ़ के गांव जगदीशपुर में 57 वर्षीय उर्मिला का शव रविवार शाम को खेत में पड़ा मिला। साड़ी से गला कसकर उनकी हत्या की गई। वह भी चारा लेने खेत में गई थीं। उनके पति वेदप्रकाश ने बताया कि दो बेटे और दो बेटियों का भरा पूरा परिवार है। बड़ा बेटा बहू के साथ ससुराल गया था। छोटा बेटा उनके साथ ही रहता है। वह बेटे के साथ जाफरपुर में किसी काम से गए थे। उन्होंने बताया कि उर्मिला को जाने क्या सूझी जो अकेली ही खेत पर चली गईं। बताया कि वह धार्मिक प्रवृत्ति की थी। वह हर रविवार राधास्वामी के सत्संग में जाती थीं। रविवार सुबह भी वह सत्संग में गई थीं। वहां से दो बजे लौटकर उन्हें भोजन बनाकर दिया। इन महिलाओं हो चुकी है हत्या - जून से अब तक हत्या की नौ वारदात हो चुकी हैं। शीशगढ़ थाने के गांव लखीमपुर की महमूदन, कुल्छा गांव की धानवती, सेवा ज्वालापुर निवासी वीरावती, खजुरिया निवासी कुसुमा देवी, शाही के मुबारकपुर गांव की शांति देवी, आनंदपुर की प्रेमवती, मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव गूला की रेशमा देवी व शाही के गांव खरसैनी की दुलारी देवी की जान जा चुकी है। अधिकांश महिलाओं के गले में फंदा कसा मिला था। कुछ के शव खराब हो चुके थे तो पुलिस ने विसरा रिपोर्ट के बहाने हत्या की बात खारिज कर दी। शुरू के एक मामले में परिजनों ने न तहरीर दी और न पोस्टमार्टम कराया।

बुर्के में कैटवॉक पर आगबबूला हुए उलमा, जमीयत ने जताया एतराज, अभिनेत्री मंदाकिनी रही थीं मौजूद

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बुर्के में कैटवॉक पर जमीयत ने एतराज जताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मुजफ्फरनगर जनपद के श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज में फैशन शो %स्पलैश 2023% के अंतिम दिन रविवार रात बुर्के में रैंप पर कराए गए कैटवॉक पर मुस्लिम समाज के संगठनों ने एतराज जताया है। जमीयत उलमा का कहना है कि यह बेहद निंदनीय है। बच्चों को शिक्षा के बजाए, गलत चीजों में उलझाया जा रहा है। भविष्य के लिए चेतावनी दी गई है।रविवार रात शुभारंभ मुख्य अतिथि सानिया बिंदल, एमजी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन सतीश गोयल, विशिष्ट अतिथि बिंदल ग्रुप के चेयरमैन राकेश बिंदल, श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलिजेज के चेयरमैन डॉ एससी कुलश्रेष्ठ, संकल्प कुलश्रेष्ठ, डॉ. प्रगति सक्सेना, मुक्ता कुलश्रेष्ठ, श्रीराम कॉलेज की अध्यक्ष डॉ. पूनम शर्मा, प्राचार्या डॉ. प्रेरणा मित्तल ने किया था।अभिनेत्री मंदाकिनी और टीवी कलाकार राधिका गौतम मुख्य अतिथि रहीं थीं। %बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ% की थीम पर रैंप पर छात्राओं और मॉडल्स ने कैटवॉक किया। देर रात बुर्के में भी मॉडल्स ने कैटवॉक किया था। इस पर सोमवार को जमीयत उलमा के कन्वीनर मौलाना मुकर्रम काजमी ने कड़ा एतराज जताते हुए शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। साथ ही श्रीराम कॉलेज को भविष्य केलिए चेतावनी दी गई है।

पीएम मोदी ने तिरुपति बालाजी मंदिर में की पूजा-अर्चना, बोले- 140 करोड़ भारतीयों के लिए की प्रार्थना

पीएम मोदी ने सोमवार को तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना की। प्रधानमंत्री ने मंदिर में दर्शन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी साझा की। पीएम मोदी ने लिखा तिरुमला के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की और देशवासियों के लिए अच्छी सेहत और समृद्धि की कामना की। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने एक बयान जारी कर बताया था कि पीएम मोदी 26 नवंबर की शाम में तिरुपति पहुंचेंगे, जहां वह रात में रुकेंगे और उसके बाद 27 नवंबर की सुबह भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन कर आशीर्वाद लेंगे।पीएम मोदी काफी देर तक मंदिर में रहे। मंदिर में पूजा अर्चना के बाद पीएम मोदी तेलंगाना के लिए रवाना हो जाएंगे। तिरुपति बालाजी मंदिर भारत के सबसे अमीर और सबसे मशहूर मंदिरों में से एक है। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित यह मंदिर के प्रमुख देवता भगवान वेंकटेश्वर स्वामी हैं, जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। पीएम मोदी ने हाल ही में मथुरा के वृन्दावन स्थित श्री बांकेबिहारी मंदिर में भी पूजा और दर्शन किए थे।

लोकसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर चर्चा, फडणवीस बोले- सहयोगी पार्टियों से बातचीत बाकी

महाराष्ट्र के 48 सीटों में 26 पर भाजपा के चुनाव लड़ने की बात कहने के बाद राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अब सीट बंटवारे पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सहयोगी पार्टियों के साथ चर्चा के बाद 2024 के लोक सभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर बात की जाएगी। सीट बंटवारे के फॉर्मूले के आधार पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि संबंधित पार्टियों को उनके निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ना जारी रखना चाहिए। उन्होंने ने कहा कि सहयोगी पार्टियों के साथ बातचीत अभी बाकी है और विचार- विमर्श के बाद ही फैसला लिया जाएगा। सीट बंटवारे पर फडणवीस ने कही ये बात- सीट बंटवारे के फॉर्मूले के आधार पर फडणवीस ने कहा कि संबंधित पार्टियों को उनके निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ना जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा, %सहयोगी पार्टियों के साथ बातचीत अभी बाकी है और विचार- विमर्श के बाद ही फैसला लिया जाएगा। फॉर्मूला के आधार पर सीटें उन्हीं पार्टियों को दी जाएगी, जिसने पहले भी संबंधित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं।% उन्होंने कहा कि सीट बंटवारा फॉर्मूला स्थिर नहीं है, इसमें बदलाव किया जाएगा और सहयोगी पार्टियों के साथ चर्चा भी होगी। 2019 लोक सभा चुनाव में भाजपा और शिवसेना ने 41 सीटों से चुनाव लड़े थे, जिसमें से भाजपा को 23 और शिवसेना को 18 में जीत मिली थी। फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार उन किसानों की मदद करेगी जिनका फसल बेमौसम बारिश की वजह से खराब हो गया था। प्रभावित क्षेत्रों के कलेक्टर पहले क्षतिग्रस्त फसलों का रिपोर्ट भेजे, जिसके बाद सरकार किसानों की मदद करेगी।

तलवार के डर से पहन ली सलवार': ओवैसी पर बोले महंत राजू दास- आपके पूर्वज सनातनी थे, घर वापसी कर लें

अयोध्या हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास सोमवार को बरेली पहुंचे। यहां उन्होंने हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर बड़ा बयान दिया। कहा कि वे घर वापसी कर लें, अच्छा रहेगा। राजू दास ने उत्तरकाशी की टनल में फंसे श्रमिकों को निकालने जाने के लिए चलाए जा रहे रेस्क्यू पर भी सवाल खड़े किए। अयोध्या हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास ने असदुद्दीन ओवैसी पर बयान बड़ा दिया है। उन्होंने कहा कि पढ़े-लिखे होने के बावजूद असदुद्दीन ओवैसी दुर्भाग्यपूर्ण बयान देते हैं। वे सांसद हैं, फिर भी इतनी कट्टरता भरी हुई है। महंत ने कहा कि ओवैसी को अपनी मानसिकता ठीक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इनके (ओवैसी) पूर्वज पहले कभी सनातनी थे, तलवार के डर से सलवार पहन ली। घर वापसी कर लें तो अच्छा रहेगा। महंत ने मदरसे की शिक्षा पद्धति में बदलाव करने की वकालत भी की। महंत राजू दास सोमवार को बरेली में आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में शामिल होने पहुंचे थे। इससे पूर्व उन्होंने रुहेलखंड विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में पत्रकारों से बातचीत की। उत्तरकाशी टनल हादसे पर राजू दास ने कहा कि ये बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि एक तरफ हम चांद पर पहुंच रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इतने दिनों से मजदूर एक टनल में फंसे हुए हैं। उनको टनल से बाहर निकालने के लिए सरकार को और ठोस प्रयास करना चाहिए। राहुल-अखिलेश पर भी साधा निशाना - प्रयागराज में इलेक्ट्रिक सिटी बस के कंडक्टर हरिकेश विश्वकर्मा पर चापड़ से हमला करने वाले लारेब हाशमी को लेकर महंत राजू दास ने कहा कि इस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका, अखिलेश यादव ट्वीट नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को एकजुट रहने के जरूरत है। दूसरे संप्रदाय के लोगों की लगातार जनसंख्या बढ़ रही है।

माफिया अनुपम दुबे की 10 करोड़ की संपत्ति कुर्क

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद पुलिस प्रशासन ने राज्य स्तरीय माफिया अनुपम दुबे के विरुद्ध अवैध संपत्ति की कुर्की का जबरदस्त अभियान चलाया पुलिस अधीक्षक विकास कुमार काफी पुलिस फोर्स के साथ कोतवाली फतेहगढ़ के मोहल्ला दाल मंडी स्थित अनुपम दुबे के मकान पर पहुंचे पुलिस ने इस मकान के अलावा माफिया के पांच प्लाटों की कुर्की की कार्रवाई की है पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने मीडिया को बताया कि राज्य स्तरीय चयनित माफिया अनुपम दुबे के विरुद्ध 63 मुकदमे गंभीर धाराओं में दर्ज हैं उसने 90 के दशक से अपराधिक घटनाओं से बड़ी संपत्ति अर्जित की इससे पूर्व पुलिस माफिया की 113 करोड़ की संपत्ति की कुर्की कर चुकी है एसपी श्री कुमार ने बताया कि आज अनुपम का एक मकान एवं पांच प्लाट कुर्क किए गए हैं जिनकी बाजारु कीमत 10 करोड़ है अभी तक माफिया अनुपम की करीब 50 संपत्तियां कुर्क की जा चुकी है और बेनामी संपत्तियों को खंगाला जा रहा है एसपी ने बताया की जो भी अपराधी अपराध करके अबैध संपत्ति अर्जित करेगा उसकी अवैध संपत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत जप्त कर ली जाएगी मालुम हो की माफिया अनुपम दुबे आगरा की जेल में है

कार्तिक पूजन कर बांकेविहारी को छप्पन भोग अर्पित किया

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- परिवार में सुख, शांति, वैभव धन, सम्पदा की वृद्धि एवं पति की लम्बी आयु की कामना को लेकर कार्तिक मास में लगातार एक माह साधना, पूजन और उपवास कर कृष्ण भक्ति में लीन कतकारियों ने सोमवार को कार्तिक मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर भगवान कृष्ण की झाँसी सजाकर उनका पूजन अर्चन कर उन्हें छप्पन भोग अर्पित किये तथा नाना प्रकार के पकवान बनाकर बांके बिहारी को भोग लगाया। पुजारी रामप्रकाश दुबे ने विधिवत पूजन कराकर सभी कतकारियों की गाठें खोली और सभी को शुभाशीष दिया।इस मौके पर श्रीमती सरोज तिवारी, श्रीमती भारती शर्मा, श्रीमती सुनीता गुप्ता, श्रीमती मीनू जायसवाल, श्रीमती दीपा नीखरा, श्रीमती नीलम शर्मा, श्रीमती स्नेहलता लिटौरिया, श्रीमती अर्चना लिटौरिया, श्रीमती अमिता तिवारी एवं श्रीमती निष्ठा चतुर्वेदी सहित अनेकों महिलायें मौजूद रहीं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Children are most affected by the increasing 'mysterious disease' in China, this is the real reason for the infection.

These days, the risk of mysterious respiratory disease is increasing in many cities of China. According to media reports, the number of patients in the emergency departments of hospitals complaining of pneumonia and respiratory infections has increased. The highest risk of this disease is seen in children, which is increasing the concern of health experts. Officials have advised everyone to remain alert and continue taking protective measures. The World Health Organization (WHO) is seriously monitoring the sudden increase in infectious H9N2 cases in China. WHO has advised the authorities to keep continuously updating the situation and make efforts to prevent the increasing infectious disease in the country. The big question amidst all this is whether India also needs to be alert about this disease? Let us understand about this. Is there a risk of this in India also? How alert should India be regarding the increasing infectious disease in China and can there be a danger of this disease here too? In this regard, health experts say that the risk of avian influenza cases and respiratory disease reported from China is currently low in India. Currently available information shows that there has been an increase in respiratory diseases in China in the last few weeks, flu season is going on in India these days but there is no risk of conditions like China. How prepared is India? Regarding preparedness for this disease in India, Union Health Minister Mansukh Mandaviya said, the Government of India is monitoring the situation regarding the recent outbreak of H9N2 cases and respiratory diseases in children in China and all necessary steps are being taken for prevention. Is. ICMR and Director General of Health Services are taking serious measures in this regard so that the risks can be avoided. What is the main cause of this disease? Health experts say that the winter season has started in China and this is the first winter after the pandemic when there are no restrictions of any kind. Due to lockdown and other restrictions, there was a protective shield against infectious diseases, which is now breaking. Mycoplasma pneumoniae is a bacterial infection. Weakness of immunity due to lockdown is considered to be the main reason for the sudden increase of this disease in China. The whole world is watching this situation seriously, till now India has not been affected much. Health experts say that cases of respiratory infection have been seen in India, so the risk of it taking a serious form is less.

The tea pot has become dirty, clean it using these things

Kitchen has great importance in Indian homes. Every Indian woman always wants to keep the kitchen of her house sparkling, but even after many efforts, the kitchen utensils become sticky. There are many utensils which are used a lot. These include a tea pot. Tea is made the most in Indian homes. Due to repeated preparation of tea, the bottom of the vessel gets burnt. Not only this, sometimes strange dirt accumulates inside the vessel, which cannot be cleaned even after rubbing. If you are also struggling with this kind of problem, then this news is for you. In today's news, we will tell you how to clean the tea pot easily. For this you will not even have to spoil your hands. Without wasting any time, let us tell you about some of its tips. Use baking soda - Although baking soda is used in food, you can also use it to clean the tea pot. For this, first of all pour soda around the tea making vessel and leave it like this for five minutes. Now clean it with dishwasher and water. This will clean the dirt from the utensil. Rub lemon on the utensil - If you rub lemon on a dirty tea utensil, it will clean the utensil quickly. If you also want to adopt this tip, then cut half a lemon and rub it on the burnt vessel. Now add hot water to it and leave it. This will remove the blackness of the vessel. Use vinegar- To clean a burnt tea pot, mix vinegar and baking soda in it and leave it for some time. With this your utensils will be cleaned in no time. Clean with salt - If the pot of tea or milk is burnt then add 2 spoons of salt in it and then fill the pan with water, add liquid dishwasher soap and heat it lightly. Now after leaving it like this for an hour, rub it with a spoon. After this you will have to clean the utensils with a cloth. After this your vessel is clean.

If you want to teach cultural lessons to children then adopt these methods, get this work done on festivals

It is your responsibility to educate your children about your cultural heritage and festivals, so it is important that you introduce them to the rituals and ceremonies. Festivals bring people together and create a sense of belonging in the society. Especially children enjoy festivals more than adults, but nowadays the curiosity and energy of children is going only in technology. In such a situation, it is important that parents connect their children with festivals and tell them their importance, so that their happiness and enthusiasm towards their traditions remains intact. Since children are curious about everything, they will find it exciting to know about festivals and the traditions hidden in them. There are some easy methods for this too. Participation in cleanliness- Whenever any ritual, festival or celebration comes, you get involved in cleaning and decorating the house. Involve children also in this work, so that the joy of festivals and rituals remains in their minds. Ask children to do small tasks. You can make them do work like picking up garbage and putting it in the dustbin, dusting the furniture. This will also develop the habit of working in them. Cooperation in making dishes – Dishes are made in all the houses during festivals. You can also take help of children in this work and by making them do small tasks, you can make them feel responsible that they also have to work during festivals. This will create a feeling of working together in them since childhood. If children cook dishes together, they will also feel happy and will enjoy the festival twice as much. Creativity is important - give information to children about your culture. Expose them to your traditions by dressing them in traditional attire, helping them in making decorations and dishes, and participating in other creative activities during festivals or celebrations, so that they can learn about their culture and enjoy the festivities right from childhood. Stories and Movies- There is some story behind every festival, which gives us a positive message. Therefore, from time to time, you can give information about your festivals and traditions to children through books or by showing movies. When you explain some rituals to your child, they seem boring and boring to him. He does not pay attention to what you say, so you can make the information interesting for him by telling him a story about festivals, reading him or showing a film made on that topic, so that he gets excited and gets information about his culture. Mail- Feeling of reconciliation- If you involve your children with festivals then the feeling of reconciliation will increase in them. Today children also feel lonely. In such a situation, celebrating the festival together will remove their loneliness. Be sure to take your child to the homes of relatives, acquaintances and neighbors on festivals, so that he/she mingles with everyone and learns to celebrate festivals together. Always encourage – Nowadays, many festivals are celebrated in schools also. In such a situation, you should encourage the children to participate enthusiastically, so that enthusiasm can be generated in them. You can also make the child prepare a poem or speech related to the festival. When the child recites a poem or speech related to the festival on the stage, he will like it and will also gain knowledge about his festivals.

Alia Bhatt also became a victim of misuse of AI technology, deepfake video raised concerns

Rashmika Mandanna's deepfake video that went viral yesterday created a stir on social media. After this, deepfake videos of Katrina Kaif and Kajol also went viral, due to which everyone expressed concern about the misuse of technology. IT Minister Ashwini Vaishnav called it a new threat to democracy and said that the government will soon bring new rules to deal with

deepfakes. Where the government is trying hard to control this. Meanwhile, Alia Bhatt has also become its victim. Alia Bhatt's deepfake video is being widely circulated on social media, raising concerns among people. Actress Alia Bhatt has become the latest example of celebrities falling victim to deepfake technology. The viral video shows a girl wearing a blue floral co-ord set and making obscene gestures towards the camera. However, upon looking carefully, one can tell that the girl seen in the video is not Alia Bhatt. The actress' face has been edited over someone else's body. The latest video featuring Alia's lookalike comes days after several Indian celebrities faced a similar situation. It highlights the misuse of technology and the potential harm it can cause to individuals in a digitally vulnerable age. Till now, celebrities like Rashmika Mandanna, Katrina Kaif, Kajol, Sara Tendulkar and businessman Ratan Tata have become victims of misuse of this technology. Earlier, actress Rashmika Mandanna had expressed her concern after a deepfake video of herself surfaced on the internet and went viral. The 'Animal' actress expressed her concern over the video on In the grip.'Be aware that obscene fake videos of stars are being made using artificial intelligence, and these videos are going viral on social media. Rashmika Mandanna's deepfake video, which was first surfaced, created such an uproar that an advisory was even issued to remove the content from social media platforms. At present investigation is going on in the case, the accused are likely to be caught soon.

These films based on father-son relationship were blockbusters, will Animal be included in the list?

People have been waiting for the film Animal for a long time. This film, directed by Sandeep Reddy Vanga, is going to hit the theaters on December 1. In this film, an attempt has been made to show the powerful father-son bond played by Ranbir Kapoor and Anil Kapoor in an interesting manner. It also stars Rashmika Mandanna, Bobby Deol and Trupti Dimri in important roles. Let us tell you that even before this, many films have been made in Bollywood, which throw light on the subject of father-son relationships. Let us know about these films. Jawaan- In the recently released Jawaan, Shahrukh Khan was seen playing the role of father and son very well through his double role. King Khan won people's hearts with his acting in both the roles of Azad and his father, Vikram. The film emphasizes on the deep bond between the two characters, which is Jawan's strongest link. Gadar 2- Sunny Deol's Gadar 2 is the biggest hit of his career. This film, directed by Anil Sharma, was released in the month of August this year. In the film, the character of Tara Singh played by the actor reaches Pakistan to save his son. People liked this film very much. It had done a business of more than Rs 525 crore at the ticket window. OMG 2 - Akshay Kumar and Pankaj Tripathi starrer film OMG 2, which was released along with Gadar 2, also proved to be a huge hit. In the film, Pankaj's character decides to fight a legal battle herself to get justice for her son. This film was successful in winning the hearts of the audience. This film was successful in earning more than 150 crores at the box office. Jailer- Rajinikanth has made a tremendous comeback with this film. In the film, he played the role of a retired jailer who sets out on a mission to catch criminals after his son mysteriously disappears. The audience had given a lot of love to this film. The film surprised everyone by earning huge profits in the country as well as abroad.

Abhijeet Sawant spoke openly on Amit's allegations, explained the runner up's place by the sale of the album after the show.

The first season of TV's popular reality show 'Indian Idol' has once again come into discussion. The reason for this is the sensational allegations made by Amit Sana, the runner-up of the reality show. In fact, in an interview recently, Amit Sana had accused him of rigging the voting lines in favor of the show's winner Abhijeet Sawant. Amit had claimed that the channel had stopped his voting lines before the final and helped Abhijeet win the show. Now Abhijeet has reacted to these claims of Amit.. Recently, Amit Sana had said something which had brought not only Abhijeet Sawant's victory but also the voting method of Indian Idol into controversy. However, Abhijeet Sawant broke his silence on these allegations and said that all this is a lie. Abhijeet, the first winner of Indian Idol, said, 'I have had to do this to clarify these claims. So, this is a lie. If I tell the truth, we were all children at that time. If the lines had been blocked, Rahul and I should have been in the top two because Rahul has always been everyone's favourite. After Indian Idol, Rahul also made a good career. He is doing good work even today. He has always been popular when he did shows like Bigg Boss.' Continuing his point, Abhijeet said, 'Therefore, if the lines were blocked, Amit would not have been able to reach the finals. And who was I? Why would they hold lines for me? I struggled a lot to reach the finals, I performed well on every song. I was called the under-dog, the dark horse. It was not in our hands. In life, when we regret and blame things on other people, we do so to reduce the pressure on ourselves. After blaming someone you become free, but you should not do this. You just have to work, we are all here to work, not to blame each other.' During this, Abhijeet described himself and Amit Sana as children and said, 'During the show, if he If he was innocent, so was I. I did not work for the Ambani family. It is not possible to block the lines because it is such a big show that if it were to happen, there could be riots. Votes came in crores. Along with this, Abhijeet also linked Amit's popularity to the sales of his albums and said, 'Our albums came after the show. First my album came, then Amit's came and composers Sajid-Wajid composed the entire album for Rahul. My album sold 13 lakh copies and his album could not even cross one lakh. So you can say your lines were blocked, but people can buy your album, right? There should be a correct theory to explain this claim, but it does not exist.